



पश्चिम रेलवे
Western Railway

रेल दर्पण Rail Darpan

नवम्बर-दिसम्बर 2025



Morvi State Railway



Porbandar State Railway



Cutch State Railway



Jamnagar & Dwarka Railway



Gondal State Railway



Raj. Of Dhrangadhra



Bhavnagar State Railway



Baroda State Railway



Sorath Sirkar



B.B & C.I. Railway

पश्चिम रेलवे का 75 वाँ स्थापना दिवस नई ऊर्जा के संग आगे बढ़ते कदम



सम्पादक मंडल

मुख्य संरक्षक
श्री विवेक कुमार गुप्ता
महाप्रबंधक

प्रधान सम्पादक
विनीत अभिषेक
मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी

वरिष्ठ कार्यकारी सम्पादक
सुनील सिंह
वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी

कार्यकारी सम्पादक
वर्गिस जॉर्ज
जनसम्पर्क अधिकारी

सह सम्पादक
संदीप पी. नागरगोजे
वरिष्ठ जनसम्पर्क निरीक्षक

छायाचित्रकार
प्रभात मोहिते
मुख्य छायाचित्रकार

सम्पादकीय कार्यालय

'रेल दर्पण' पत्रिका,
मुख्य जनसम्पर्क कार्यालय,
पश्चिम रेलवे, स्टेशन भवन,
तीसरी मंजिल, चर्चगेट,
मुंबई - 400020

ई-रेल दर्पण
पढ़ने के लिए
QR कोड स्कैन करें।



सम्पादकीय

प्रिय पाठकों

पश्चिम रेलवे की द्वैमासिक पत्रिका “रेल दर्पण” के नवम्बर-दिसम्बर 2025 के इस अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। रेल दर्पण हमारे लिए केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि आपसे सीधा संवाद स्थापित करने तथा पश्चिम रेलवे की उपलब्धियों और प्रयासों को साझा करने का सशक्त माध्यम है।

यह अंक विशेष महत्व रखता है, क्योंकि नवम्बर 2025 में पश्चिम रेलवे ने अपना 75वाँ स्थापना दिवस मनाया। पिछले साढ़े सात दशकों में पश्चिम रेलवे ने भारतीय रेल के इतिहास में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। अपने वर्तमान स्वरूप में पश्चिम रेलवे का गठन 5 नवम्बर 1951 को तत्कालीन बॉम्बे, बड़ौदा एवं सेंट्रल इंडिया रेलवे (BB&CI) तथा अन्य स्टेट रेलवे - सौराष्ट्र, बरोडा, राजपूताना और जयपुर के विलय से हुआ था। तब से लेकर आज तक पश्चिम रेलवे निरंतर प्रगति, नवाचार और राष्ट्रसेवा के पथ पर अग्रसर रही है।

इस अंक के सामयिक गतिविधियाँ खंड में नवम्बर एवं दिसम्बर माह की प्रमुख घटनाओं और उपलब्धियों को सम्मिलित किया गया है। रेल मंत्री द्वारा 03 नवम्बर 2025 को अहमदाबाद स्टेशन का दौरा कर स्टेशन पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त, 14 नवम्बर 2025 को माननीय केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, गुजरात सरकार के माननीय मंत्री श्री अर्जुन मोढ़वाडिया, माननीय सांसद श्रीमती पूनमबेन माडम और श्री रामभाई मोकरिया तथा अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा राजकोट-पोरबंदर ट्रेन की उद्घाटक सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया, इस अवसर को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया है।

पश्चिम रेलवे सदैव अपने सम्माननीय यात्रियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय और संवाद को प्राथमिकता देती रही है। इसी क्रम में 21 नवम्बर 2025 को अहमदाबाद स्थित सर्किट हाउस में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडलों के क्षेत्राधिकार में आने वाले माननीय सांसदों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें मंडलों में चल रहे विकास कार्यों एवं यात्री सुविधाओं की विस्तृत जानकारी साझा की गई। इसके साथ ही महाप्रबंधक द्वारा मंडलों में किए गए संरक्षा निरीक्षण एवं समीक्षा बैठकों, पश्चिम रेलवे के स्थापना दिवस समारोह, भारत के राष्ट्रीय गीत “वंदे मातरम्” के 150 गौरवशाली वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम, वर्ष 2026 के पश्चिम रेलवे कैलेंडर का विमोचन, मानव तस्करी विरोधी क्षमता निर्माण कार्यशाला, संविधान दिवस, ऊर्जा संरक्षण सप्ताह तथा सिविल डिफेंस दिवस जैसे विभिन्न आयोजनों को भी इस खंड में सम्मिलित किया गया है।

‘मंडलों के अंचल से’ खंड सदैव हमारे पाठकों के बीच लोकप्रिय रहा है, जिसमें पश्चिम रेलवे के विभिन्न मंडलों की महत्वपूर्ण गतिविधियों को स्थान दिया गया है। ‘खेल-खिलाड़ी’ खंड में पश्चिम रेलवे के खिलाड़ियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का संकलन प्रस्तुत है, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से पश्चिम रेलवे का गौरव बढ़ाया है। कथा कुंज-खंड की “संकल्प यात्रा” तथा स्टोरी खंड की “Thank You & Sorry” कथा निश्चित रूप से पाठकों को भावनात्मक रूप से जोड़ेगी, वहीं कविता खंड की रचनाएँ मन को नई संवेदनाओं और ऊर्जा से भर देंगी।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि रेल दर्पण का यह अंक न केवल आपको ज्ञानवर्धक एवं प्रेरक अनुभव प्रदान करेगा, बल्कि पश्चिम रेलवे की निरंतर प्रगति, सेवा भावना और समर्पण से भी परिचित कराएगा। आपके बहुमूल्य सुझाव एवं प्रतिक्रियाएँ हमारे लिए निरंतर प्रेरणास्रोत हैं, जिनके आधार पर हम गुणवत्ता संवर्धन, नवाचार और यात्री सेवा में नए आयाम स्थापित करने हेतु सदैव अग्रसर रहेंगे।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...

आपका शुभाकांक्षी,

विनीत अभिषेक
(विनीत अभिषेक)

प्रधान सम्पादक एवं
मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी, पश्चिम रेलवे





पश्चिम रेलवे
Western Railway
wr.indianrailways.gov.in

रेल दर्पण Rail Darpan

पश्चिम रेलवे की गृह पत्रिका

• वर्ष : 24 • अंक : 50 • माह : नवम्बर-दिसम्बर 2025

विषय सूची

- 5 रेल मंत्री द्वारा अहमदाबाद स्टेशन का दौरा
- 6 राजकोट-पोरबंदर लोकल ट्रेन का शुभारंभ
- 7 महाप्रबंधक की अहमदाबाद एवं वडोदरा क्षेत्राधिकार के सांसदों के साथ बैठक का आयोजन
- 8 पश्चिम रेलवे पर मनाया गया 75वां स्थापना दिवस
- 9 वन्दे मातरम् देशभक्ति और गौरव के 150 वर्ष
- 10 वर्ष 2026 के लिए पश्चिम रेलवे के कैलेंडर का विमोचन तथा पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जागरूकता अभियान
- 11 मानव तस्करी विरोधी क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन
- 12 महाप्रबंधक द्वारा अहमदाबाद मंडल में रेल परियोजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा तथा महाप्रबंधक द्वारा रतलाम मंडल का गहन संरक्षा निरीक्षण
- 13 पश्चिम रेलवे पर मनाया गया 76वां संविधान दिवस तथा कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार
- 14 ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन तथा पश्चिम रेलवे ने मनाया वार्षिक सिविल डिफेन्स दिवस
- 15 वार्षिक राउंड अप - पश्चिम रेलवे 2025
- 16 कैलेंडर - 2026
- 17 मंडलों के अंचल से: अहमदाबाद मंडल
- 18 मंडलों के अंचल से: राजकोट मंडल
- 19 मंडलों के अंचल से: भावनगर मंडल
- 20 मंडलों के अंचल से: वडोदरा मंडल
- 21 मंडलों के अंचल से: रतलाम मंडल
- 22 खेल-खिलाड़ी
- 24 Story: Thank You & Sorry
- 25 कथा-कुंज: संकल्प यात्रा
- 26 कविता
- 27 तस्वीरें बोलती हैं...



रेल मंत्री द्वारा अहमदाबाद स्टेशन का दौरा अहमदाबाद स्टेशन पुनर्विकास एवं हाई स्पीड रेल परियोजना के प्रगति की समीक्षा



रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 03 नवम्बर 2025 को अहमदाबाद स्टेशन का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने अहमदाबाद स्टेशन पर चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों तथा हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना के प्रगति की समीक्षा की।

रेल मंत्री ने अहमदाबाद स्टेशन पुनर्विकास कार्य का निरीक्षण किया और इस अवसर पर मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि भारत में यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए देशभर में स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास किया जा रहा है। वर्तमान में 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है, जिनमें अहमदाबाद स्टेशन एक प्रमुख स्टेशन है।

श्री वैष्णव ने बताया कि अहमदाबाद स्टेशन पर 16 मंजिला आधुनिक भवन का निर्माण किया जा रहा है। सरसपुर साइड पर बुलेट ट्रेन परियोजना का कार्य तेजी से चल रहा है तथा अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल स्टेशन लगभग पूर्णता की ओर है। बुलेट ट्रेन स्टेशन और अहमदाबाद रेलवे स्टेशन को आपस में एकीकृत (इंटीग्रेटेड) रूप से विकसित किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को सहज स्थानांतरण की सुविधा प्राप्त होगी।

उन्होंने आगे बताया कि अहमदाबाद स्टेशन को तीन अतिरिक्त प्लेटफॉर्म प्राप्त होंगे, जिससे स्टेशन की ट्रेनों की परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी। स्टेशन को शहर के दोनों ओर कालूपुर और सरसपुर साइड आधुनिक स्वरूप में विकसित किया जा रहा है। सभी प्लेटफॉर्म कॉन्कोर्स रूप प्लाजा से कवर हो जाएंगे तथा स्टेशन पर एलीवेटेड रोड का कार्य भी तीव्र गति से जारी है। इस प्रकार शहर के दोनों छोर कॉन्कोर्स, एलेवेटेड रोड, फूट ओवर ब्रिज से जुड़ जाएगा। मंत्री महोदय ने बताया कि पिछली बार जब उन्होंने परियोजना का निरीक्षण किया था, तब बेसमेंट का कार्य प्रगति पर था, जबकि अब चौथी मंजिल तक का स्ट्रक्चर फ्रेम तैयार हो चुका है।

देश के प्रमुख 20 स्टेशनों जैसे दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद से नई ट्रेनों की डिमांड अधिक आती है। गुजरात में अहमदाबाद और सूरत से अधिक मांग रहती है। इस बढ़ती डिमांड को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों की परिचालन क्षमता बढ़ाने हेतु अहमदाबाद के वटवा में एक मेगा टर्मिनल विकसित किया जाएगा, जिसमें 10 पिट लाइनों का निर्माण होगा। इसके माध्यम से लगभग 45 अतिरिक्त ट्रेनों की क्षमता बढ़ेगी, जिससे अहमदाबाद से लगभग 150 ट्रेनों का

परिचालन संभव हो जाएगा।

अहमदाबाद स्टेशन का पुनर्विकास कार्य विरासत स्मारकों को आधुनिक शहरी केंद्र के साथ एकीकृत करने की अवधारणा पर आधारित है। यह परियोजना एक विश्वस्तरीय मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब (MMTH) का निर्माण करेगी, जिसमें पर्याप्त पार्किंग, कालूपुर आरओबी और सारंगपुर आरओबी को जोड़ने वाला एलिवेटेड रोड नेटवर्क, लैंडस्केप प्लाजा, कॉन्कोर्स एरिया तथा उन्नत यात्री सुविधाएं सम्मिलित होंगी।

स्टेशन का वास्तुशिल्प डिजाइन मोढेरा सूर्य मंदिर से प्रेरित है, जो सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक सौंदर्य का सुंदर समावेश प्रदर्शित करेगा। कालूपुर साइड स्थित आइकॉनिक एमएमटीएच टॉवर अहमदाबाद के वास्तु परिदृश्य का नया प्रतीक बनेगा। एसआई संरक्षित 'ईट (ब्रिक्स) मीनार' और 'झूलता मीनार' को भी पुनर्विकास योजना में समाहित किया जाएगा।

यह स्टेशन राष्ट्रीय हाई-स्पीड रेल टर्मिनल, मेट्रो और बीआरटीएस से एलिवेटेड नेटवर्क के माध्यम से निर्बाध रूप से जुड़ा होगा, जिससे सुचारु मल्टीमॉडल एकीकरण सुनिश्चित होगा और शहर में भीड़भाड़ में कमी आएगी।

रेल पटरियों के ऊपर 15 एकड़ में फैला कॉन्कोर्स प्लाजा और 7 एकड़ का मेजेनाइन प्लाजा बनाया जाएगा, जिसमें यात्रियों के लिए प्रतीक्षा कक्ष, शौचालय, फूड कोर्ट, खुदरा दुकानें आदि सुविधाएं होंगी। यह पुनर्विकसित स्टेशन एक ग्रीन बिल्डिंग के रूप में विकसित होगा, जो ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण एवं नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग पर केंद्रित रहेगा।

स्टेशन में अत्याधुनिक सुरक्षा तकनीकें, स्वचालित पार्सल डिपो सिस्टम और दिव्यांगजन-अनुकूल संरचना (लिफ्ट एवं एस्केलेटर सहित) सुनिश्चित की गई हैं।

अहमदाबाद रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास परियोजना न केवल आधुनिक अवसंरचना का प्रतीक बनेगी, बल्कि शहर की सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखते हुए अहमदाबाद को एक प्रमुख वैश्विक महानगर के रूप में स्थापित करने में भी सहायक सिद्ध होगी।



राजकोट-पोरबंदर लोकल ट्रेन का शुभारंभ

भारत सरकार के केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, गुजरात सरकार के वन एवं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अर्जुन मोदवाडिया, सांसद श्रीमती पूनमबेन माडम, सांसद महोदय श्री रामभाई मोकरीया तथा अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा 14 नवम्बर, 2025 को राजकोट रेलवे स्टेशन से राजकोट-पोरबंदर के बीच चलने वाली उद्घाटन स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में राजकोट मंडल रेल प्रबंधक श्री गिरिराज कुमार मीना ने उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, सांसद श्रीमती पूनमबेन माडम, सांसद श्री रामभाई मोकरीया तथा अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा द्वारा रेल सुविधाएं बढ़ाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की। अपने उद्बोधन में केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि राजकोट और पोरबंदर के बीच दो नई लोकल ट्रेनों की शुरुआत होने से सौराष्ट्र क्षेत्र के विकास को और अधिक गति मिलेगी और यात्रियों को अधिकतम सुविधा और सुलभ यात्रा का लाभ मिलेगा। उन्होंने व मंत्री श्री अर्जुन मोदवाडिया ने राजकोट-पोरबंदर उद्घाटन स्पेशल ट्रेन में राजकोट से बैठकर पोरबंदर तक यात्रा की जहां उनका ट्रेन के मार्ग में आनेवाले विभिन्न स्टेशनों पर स्थानीय प्रतिनिधियों एवं आम जनता द्वारा स्वागत किया गया तथा नई ट्रेन चलने की खुशी व आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य जनसंपर्क निरीक्षक श्री विवेक तिवारी द्वारा किया गया।

राजकोट स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक श्री रमेश टिलारा, विधायक श्री उदय कानगड, विधायक डॉ. दर्शिता शाह, विधायक श्री जितेंद्र रादड़िया, विधायक श्री महेंद्र पाडलिया, रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य व अन्य गणमान्य अतिथि, प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राजकोट और पोरबंदर के बीच शुरू की गयी इन दो नई लोकल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:



1) ट्रेन नंबर 59561/59562 राजकोट-पोरबंदर लोकल [प्रतिदिन]

ट्रेन नंबर 59561 राजकोट-पोरबंदर लोकल 15 नवम्बर, 2025 से प्रतिदिन राजकोट स्टेशन से सुबह 8.35 बजे प्रस्थान करेगी एवं उसी दिन 13.15 बजे पोरबंदर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 59562 पोरबंदर-राजकोट लोकल 15 नवम्बर, 2025 से प्रतिदिन पोरबंदर से 14.30 बजे प्रस्थान करेगी एवं उसी दिन 18.55 बजे राजकोट स्टेशन पहुंचेगी।

2) ट्रेन नंबर 59563/59564 राजकोट-पोरबंदर लोकल [सप्ताह में पाँच दिन]

ट्रेन नंबर 59563 राजकोट-पोरबंदर लोकल 16 नवम्बर से सप्ताह में 5 दिन (बुधवार और शनिवार को छोड़कर) राजकोट स्टेशन से दोपहर 14.50 बजे प्रस्थान करेगी एवं उसी दिन 20.30 बजे पोरबंदर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 59564 पोरबंदर-राजकोट लोकल 15 नवम्बर से सप्ताह में 5 दिन (गुरुवार और रविवार को छोड़कर) पोरबंदर स्टेशन से सुबह 7.50 बजे प्रस्थान करेगी एवं उसी दिन 12.35 बजे राजकोट स्टेशन पहुंचेगी।

उपरोक्त सभी ट्रेनें दोनों दिशाओं में भक्तिनगर, रीबडा, गोंडल, वीरपुर, नवागढ़, जेतलसर, धोराजी, उपलेटा, पानेली मोटी, जाम जोधपुर, बालवा, काटकोला, वांसजालिया और राणावाव स्टेशनों पर रुकेंगी। इन ट्रेनों में अनारक्षित कोच होंगे।



महाप्रबंधक की अहमदाबाद एवं वडोदरा क्षेत्राधिकार के सांसदों के साथ बैठक का आयोजन

पश्चिम रेलवे द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय एवं संवाद को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत 21 नवम्बर 2025 को अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडलों के क्षेत्राधिकार में आने वाले सांसदों के साथ महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री विवेक कुमार गुप्ता की एक बैठक का आयोजन अहमदाबाद स्थित सर्किट हाउस में किया गया।

बैठक के प्रारम्भ में महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री विवेक कुमार गुप्ता ने सांसदों का हार्दिक स्वागत किया तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों को पश्चिम रेलवे में चल रही प्रमुख रेल परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अहमदाबाद सहित पश्चिम रेलवे के अनेक महत्वपूर्ण स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है तथा इन कार्यों की स्वयं रेल मंत्री जी द्वारा नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (WDFC) का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि सफाले से जेएनपीटी खंड का कार्य अडवांस स्टेज में पहुँच चुका है।

बैठक में अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडलों में प्रगति पर विभिन्न नवीन यात्री सुविधाओं तथा विकासात्मक उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी साझा की गई। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक अहमदाबाद श्री वेद प्रकाश द्वारा प्रजेंटेशन के माध्यम से अहमदाबाद मंडल पर दिवाली एवं छठ पूजा के दौरान किए गए उत्कृष्ट क्राउड मैनेजमेंट प्रयासों, मंडल में प्रगति पर विभिन्न रेल परियोजनाओं जैसे नई रेल लाइनों, नई ट्रेन सेवाओं, मेजर रीडेवलपमेंट स्टेशनों (भुज, अहमदाबाद, साबरमती) तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किए जा रहे अन्य 16 स्टेशनों की प्रगति की समीक्षा प्रस्तुत की गई।

- अहमदाबाद मंडल रूट किमी में भारतीय रेल का सबसे बड़ा मंडल है, जिसमें लगभग 1480 रूट किमी रेल लाइन है, जो गुजरात के 10 जिले कवर करता है।
- अहमदाबाद मंडल ने वर्ष 24-25 में भारतीय रेल में अधिकतम 13510 रैक के 855010 कंटेनर लोड किए गए।
- अहमदाबाद मंडल वर्ष 25-26 में भारतीय रेल में लोडिंग में 8 वां एवं फ्रेट राजस्व में 7 वां स्थान रखता है।
- भारतीय रेल के फ्रेट टर्मिनल में अहमदाबाद मंडल में सबसे अधिक -78 फ्रेट टर्मिनल है।
- मंडल का “दीनदयाल पोर्ट” कांडला भारत का दूसरा सबसे बड़ा पब्लिक सेक्टर पोर्ट है।
- भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट पोर्ट “मुंद्रा पोर्ट” है, जो दुनिया का 39वां सबसे बड़ा पोर्ट है।
- अहमदाबाद से वर्ष में लगभग 7.8 करोड़ यात्री यात्रा करते हैं।
- मंडल में “ऊंझा” एशिया में सबसे बड़ा मसाला और जीरा बाजार है।



वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके द्वारा वडोदरा मंडल पर चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं, यात्री सुविधाओं एवं मंडल पर किए विभिन्न अभिनव प्रयासों से सांसदों को अवगत कराया गया। इस बैठक में सांसद श्री हसमुखभाई पटेल (अहमदाबाद पूर्व), श्री दिनेशभाई मकवाना (अहमदाबाद पश्चिम), श्रीमती शोभनाबेन बारैया (साबरकांठा), श्री मनसुखभाई वसावा (भरुच), श्री जशुभाई राठवा (छोटा उदयपुर), श्रीमती अनिता चौहान (रतलाम) तथा राज्यसभा सांसद श्री मयंकभाई नायक उपस्थित रहे। रेल प्रशासन की ओर से पश्चिम रेलवे मुख्यालय के प्रमुख विभागाध्यक्ष एवं दोनों मंडलों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

सांसदों ने अपने-अपने क्षेत्रों में रेलवे से संबंधित समस्याओं जैसे रेलवे ब्रिज बनाने, ट्रेनों का स्टॉपेज प्रदान करने, नई ट्रेन शुरू करने, ट्रेनों का विस्तार करने आदि की मांग की गई, जबकि रेलवे की खाली पड़ी जमीन पर वृक्षारोपण करने, रैनवॉटर हार्वैस्टिंग सिस्टम लगाने, नव निर्माण के समय वाटर लॉगिंग का ध्यान रखने, साथ ही हिम्मत नगर से दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने एवं वटवा स्टेशन से टैक्सी सेवा जैसे उबर, रैपिडो के शुरुआत जल्दी करने के भी सुझाव दिये गए तथा पश्चिम रेलवे में चल रहे विभिन्न विकास के मुद्दों एवं जनता के सुझावों पर भी चर्चा हुई।

महाप्रबंधक ने सभी सांसदों के सभी पूछे गए प्रश्नों का समुचित उत्तर दिया तथा उनकी समुचित मांगों एवं सुझावों पर यथा शीघ्र कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। यह पहल जनप्रतिनिधियों के साथ सहभागिता व सहयोग को बढ़ाकर रेल सुविधाओं के उन्नयन, यात्री सुविधाओं के विस्तार और क्षेत्रीय विकास को नई गति प्रदान करेगी।



महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता चर्चगेट में आयोजित पश्चिम रेलवे के 75वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान दीप प्रज्वलित करते और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए।

पश्चिम रेलवे पर मनाया गया 75वां स्थापना दिवस

नवम्बर माह में, पश्चिम रेलवे द्वारा अपना 75वां स्थापना दिवस मनाया गया, जो राष्ट्र के प्रति समर्पित सेवा की एक गौरवशाली यात्रा का प्रतीक है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में पश्चिम रेलवे पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। 4 नवंबर, 2025 को चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में एक समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता, पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (WRWWO) की अध्यक्ष श्रीमती नीता गुप्ता, प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारीगण, पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की कार्यकारी समिति की सदस्याएं, कर्मचारीगण और मान्यताप्राप्त ट्रेड यूनियनों एवं एसोसिएशनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ पश्चिम रेलवे की गौरवशाली विरासत और वर्षों की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डालने वाली एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

पिछले साढ़े सात दशकों में पश्चिम रेलवे ने भारतीय रेल में अनेक उपलब्धियाँ और कई “प्रथम” उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जैसे कि दुनिया की पहली महिला विशेष उपनगरीय ट्रेन, पहली 15-डिब्बे वाली लोकल ट्रेन और देश की पहली पूरी तरह से वातानुकूलित उपनगरीय ट्रेन शुरू करना। उत्कृष्टता की अपनी खोज को जारी रखते हुए पश्चिम रेलवे ने वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस, नमो भारत रैपिड रेल आदि जैसी कई प्रीमियम ट्रेनों की भी शुरुआत की है और नवाचार, सुरक्षा, डिजिटलीकरण और सतत प्रथाओं को अपनाने में अग्रणी रही है।

75वें स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत मुख्यालय भवन, मंडल कार्यालयों, सभी प्रमुख स्टेशनों और हेरिटेज इंजनों को रोशन किया गया, जिससे उत्सव का माहौल और भी बढ़ गया।

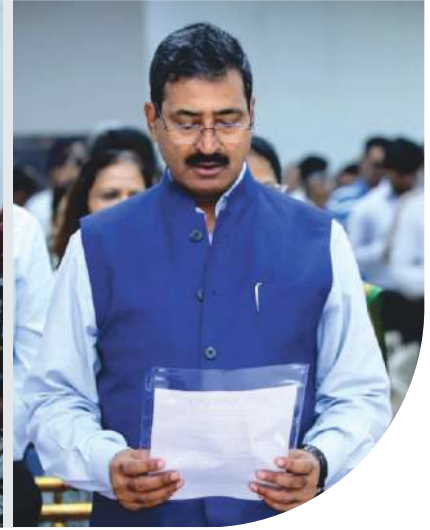
कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में श्री विवेक कुमार गुप्ता ने कहा कि अंकलेश्वर और उत्राण के बीच बॉम्बे, बरोडा और सेंट्रल इंडिया रेलवे (बीबी एंड सीआई) रेलवे की पहली लाइन शुरू होने के बाद तत्कालीन इंजीनियरों और

रेलवे कर्मचारियों ने मुंबई और अहमदाबाद को जोड़ने के लिए तापी और नर्मदा नदियों पर विशाल पुल बनाने का सराहनीय कार्य किया। उन्होंने कहा कि आज पश्चिम रेलवे अत्यंत तीव्र गति से विकास कर रही है और यह रेलकर्मियों के समर्पण और कड़ी मेहनत के कारण ही संभव हो पाया है।

अपने वर्तमान स्वरूप में पश्चिम रेलवे 5 नवंबर, 1951 को अपने पूर्ववर्ती, तत्कालीन बॉम्बे, बरोडा और सेंट्रल इंडिया रेलवे (बीबी एंड सीआई) के अन्य स्टेट रेलवेज अर्थात सौराष्ट्र, बरोडा, राजपूताना और जयपुर के साथ विलय से अस्तित्व में आई।

बीबी एंड सीआई रेलवे की स्थापना 1855 में हुई थी और पहली ट्रेन 10 जनवरी, 1860 को गुजरात के अंकलेश्वर और उत्राण के बीच चली थी। बीबी एंड सीआई रेलवे ने आगे मुंबई और अहमदाबाद की ओर विस्तार किया और मुंबई से पहली ट्रेन 28 नवंबर, 1864 को रवाना हुई। विद्युतीकरण 1928 में शुरू हुआ। स्वतंत्रता के बाद बीबी एंड सीआई रेलवे को स्टेट रेलवेज में मिलाकर पश्चिम रेलवे बना दिया गया। तब से, पश्चिम रेलवे ने शहरों, कस्बों और गांवों के आर्थिक विकास और जनसांख्यिकीय विस्तार में योगदान दिया है।

पश्चिम रेलवे को 1992 में दुनिया की पहली महिला विशेष ट्रेन चलाने का गौरव प्राप्त है। समय के साथ पश्चिम रेलवे एक आधुनिक रेलवे प्रणाली के रूप में विकसित हुई, जिसमें ट्रेन प्रबंधन प्रणाली, स्वचालित टिकट वेडिंग मशीन आदि शामिल हैं। डिजिटल इंडिया का समर्थन करते हुए आज पश्चिम रेलवे ने अपनी टिकटिंग प्रणाली को डिजिटल कर दिया है और अब यात्रियों के पास अपने मोबाइल पर टिकट प्राप्त करने का विकल्प उपलब्ध है। डिजिटल भुगतान के साथ पश्चिम रेलवे ने पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित की है और प्रगति के पथ पर अग्रसर है। पश्चिम रेलवे अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।



वन्दे मातरम् देशभक्ति और गौरव के 150 वर्ष

एक गीत... एक राष्ट्र... एक भावना...

भारत के राष्ट्रीय गीत - “वन्दे मातरम्” के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 7 नवम्बर, 2025 को चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में इस गीत के पूर्ण संस्करण का सामूहिक गायन आयोजित किया गया। यह समारोह भारत के प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित मुख्य समारोह के साथ आयोजित किया गया। मुख्यालय में यह कार्यक्रम पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित किया गया और इसमें प्रमुख विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव के अनुरूप हमारे राष्ट्रगीत के 150 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में राष्ट्र के प्रति एकता, सद्भाव और समर्पण के साझा आदर्शों की पुष्टि



करने के लिए मुख्यालय कार्यालय, सभी मंडलों और कारखानों सहित पश्चिम रेलवे पर “वन्दे मातरम्” का सामूहिक गायन आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम देशभक्ति के जोश और उत्साह के साथ आयोजित किया गया और इसमें सभी स्तरों के अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जो गर्व और देशभक्ति की भावना से इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में शामिल हुए।

यह गीत अक्षय नवमी (7 नवंबर 1875) के दिन लिखा गया था और पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंदमठ के एक अंश के रूप में प्रकाशित हुआ था। दशकों से यह गीत भारत की स्वतंत्रता, एकता और राष्ट्रीय गौरव का अमर प्रतीक बन गया है।

इस सामूहिक पहल के माध्यम से पश्चिम रेलवे गर्वपूर्वक राष्ट्र के साथ इस ऐतिहासिक अवसर का उत्सव मनाते हुए, “वन्दे मातरम्” की भावना के अनुरूप देशभक्ति, सेवा एवं समर्पण के आदर्शों को सशक्त बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है।



राष्ट्रीय गौरव के 150 वर्षों और भारतीय रेल की शाश्वत विरासत का दृश्यात्मक सफ़र वर्ष 2026 के लिए पश्चिम रेलवे के कैलेंडर का विमोचन



पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता, अपर महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार तथा मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक के साथ पश्चिम रेलवे के वॉल कैलेंडर एवं टेबल कैलेंडर का विमोचन करते हुए।



पश्चिम रेलवे द्वारा आगामी नववर्ष के अवसर पर वर्ष 2026 के लिए अपने वॉल कैलेंडर एवं टेबल कैलेंडर का विमोचन कर संगठन की गौरवशाली विरासत, समकालीन उपलब्धियों तथा जन-केंद्रित दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता द्वारा पश्चिम रेलवे मुख्यालय, चर्चगेट में प्रमुख विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ रेल अधिकारियों की उपस्थिति में इन कैलेंडरों का औपचारिक विमोचन किया गया।

वॉल कैलेंडर 2026 का विषय “वंदे मातरम् – राष्ट्रीय गौरव और गौरवगाथा के 150 वर्ष” है, जो भारत के इस प्रतिष्ठित देशभक्ति गीत के डेढ़ सौ वर्षों का स्मरण करते हुए पश्चिम रेलवे की परिवर्तनशील यात्रा को प्रतिबिंबित करता है। यह आकर्षक एवं दृश्यात्मक रूप से समृद्ध कैलेंडर पश्चिम रेलवे की प्रमुख उपलब्धियों और आधारभूत संरचना विकास को दर्शाता है। इसमें वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी अत्याधुनिक ट्रेनें, आधुनिक विद्युत इंजनों, उन्नत रेलवे स्टेशनों तथा एस्केलेटर और बेहतर स्टेशन संरचना जैसी उन्नत यात्री सुविधाओं के प्रमुख दृश्य शामिल हैं। ये सभी चित्र सुरक्षित, कुशल एवं विश्वस्तरीय रेल सेवाएं प्रदान करने के प्रति पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। तिरंगे के सजीव

रंगों में डिजाइन किया गया यह कैलेंडर राष्ट्रीय गौरव के भाव से जुड़ते हुए तकनीकी नवाचार एवं यात्री-केंद्रित विकास को भी उजागर करता है।

भारतीय रेल की स्थायी विरासत को प्रतिबिंबित करते हुए और अतीत की स्मृतियों को जीवंत करते हुए, टेबल कैलेंडर 2026, जिसका विमोचन भी इसी कार्यक्रम में किया गया, “इतिहास के पन्नों से गुजरती रेलगाड़ियाँ – लोकोमोटिव्स ऑन पेडेस्टल” विषय पर आधारित है और यह भारतीय रेल की गौरवशाली विरासत को समर्पित एक भावनात्मक श्रद्धांजलि है। इस कैलेंडर में पश्चिम रेलवे द्वारा संरक्षित विंटेज भाप इंजनों के मनमोहक चित्र शामिल हैं, जो उस दूरदर्शिता, समर्पण और अथक प्रयासों को दर्शाते हैं, जिन्होंने भारतीय रेल को राष्ट्रीय प्रगति का एक मजबूत स्तंभ बनाया। आज जहां यात्री वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों से यात्रा कर रहे हैं, वहीं ये कालजयी भाप इंजन हमें उस दौर की याद दिलाते हैं जब रेलगाड़ियाँ खेतों, कस्बों और शहरों से गुजरते हुए अपनी विशिष्ट सीटी की गूंज के साथ आगे बढ़ती थीं, जो रेल यात्रा के रोमांच, दृढ़ता और शाश्वत भावना का प्रतीक हैं।

पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जागरूकता अभियान

रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुरूप पश्चिम रेलवे ने राष्ट्रव्यापी डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (DLC) अभियान 4.0 में सक्रिय सहभागिता की। यह अभियान पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा 1 नवंबर से 30 नवंबर, 2025 तक आयोजित किया गया था।

इस अभियान का उद्देश्य डिजिटल साक्षरता के माध्यम से पेंशनभोगियों को सशक्त बनाना तथा एंज़ॉइड और आईओएस दोनों उपकरणों पर उपलब्ध ‘लाइफ सर्टिफिकेट’ मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग कर डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट को सहज रूप से जमा करने की सुविधा प्रदान करना था। नवंबर माह के दौरान पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में रेलवे कार्यालयों, बैंकों, अस्पतालों आदि सहित विभिन्न स्थानों पर शिविर, सेमिनार एवं कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। ये गतिविधियाँ पेंशन भुगतान करने वाले बैंकों, पेंशनर्स एसोसिएशन तथा ट्रेड यूनियनों के सहयोग से

जागरूकता फैलाने और पेंशनभोगियों को अपना डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थीं। पेंशनभोगियों को पेंशन लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त होते रहने के लिए प्रत्येक वर्ष नवंबर माह में अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना अनिवार्य होता है। डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट की सुविधा ने घर बैठे ऑनलाइन प्रमाणपत्र जमा करने की प्रक्रिया को सरल बनाया।

पिछले तीन वर्षों में राज्य एवं केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 4.5 करोड़ से अधिक डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जारी किए जा चुके हैं। रेलवे, सरकारी संगठनों में सबसे बड़े पेंशनभोगी आधारों में से एक है और पश्चिम रेलवे ने इस अभियान के दौरान सभी रेलवे पेंशनभोगियों तथा पारिवारिक पेंशनभोगियों को कवर करने के लिए व्यापक आउटरीच कार्यक्रम संचालित किया।



बाएँ से दाएँ-रेलवे सुरक्षा बल के महानिरीक्षक-सह-प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री अजय सदानि, राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली की अध्यक्ष श्रीमती विजया किशोर रहाटकर, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता तथा मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह।

पश्चिम रेलवे द्वारा 15 दिसंबर, 2025 को मानव तस्करी विरोधी विषय पर एक क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, बचाव, पुनर्वास तथा उन्हें उनके परिवारों से पुनर्मिलन सुनिश्चित करने पर केंद्रित थी। यह पहल रेलवे परिसरों को अधिक सुरक्षित, संवेदनशील एवं मानवीय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन रेलवे सुरक्षा बल (RPF), पश्चिम रेलवे द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) के सहयोग से संयुक्त रूप से किया गया।

इस कार्यशाला में राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली की अध्यक्ष श्रीमती विजया किशोर रहाटकर, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता, मुंबई पुलिस की उपायुक्त श्रीमती रागसुधा आर. (IPS), वरिष्ठ सलाहकार श्रीमती निशिता दुबे, रेलवे सुरक्षा बल के महानिरीक्षक-सह-प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री अजय सदानि, पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह सहित पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी तथा विशिष्ट संसाधन व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यशाला का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों जैसे संवेदनशील स्थानों पर मानव तस्करी की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को सुदृढ़ करना तथा त्वरित एवं संवेदनशील प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना था। कार्यशाला में दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। सत्र-1 का विषय “मानव तस्करी के आयाम, कानून एवं प्रवर्तन एजेंसियों की भूमिका” था, जबकि सत्र-2 “मानव तस्करी नेटवर्क को बाधित करने हेतु इंटर-सेक्टरल कन्वर्जेंस को सुदृढ़ करना” विषय पर केंद्रित था। दोनों सत्रों के उपरान्त संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया किशोर रहाटकर ने अपने संबोधन में रेलवे परिसरों में मानव तस्करी की रोकथाम एवं महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों की सराहना की। उन्होंने भारतीय रेल की “मेरी सहेली” पहल की विशेष रूप से प्रशंसा की। यह एक समर्पित सुरक्षा कार्यक्रम है, जिसके अंतर्गत महिला रेलवे सुरक्षा बल (RPF) टीमों अकेली यात्रा कर रही महिला यात्रियों को सुरक्षा, मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहलें महिला यात्रियों में विश्वास एवं आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं तथा रेल यात्रा को

अधिक सुरक्षित, समावेशी एवं महिला-अनुकूल बनाती हैं।

श्रीमती रहाटकर ने

आगे रेलवे स्टेशनों पर कार्यरत सहायकों (कुलियों), हाउसकीपिंग स्टाफ एवं अन्य फ्रंटलाइन ग्राउंड स्टाफ के नियमित प्रशिक्षण एवं संवेदनशीलता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि चौबीसों घंटे कार्यरत ये कर्मचारी प्रायः यात्रियों के प्रथम संपर्क बिंदु होते हैं और खोए हुए, घर से भागे हुए अथवा सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों, विशेषकर बालिकाओं की शीघ्र पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, जिससे स्टेशनों पर सुरक्षा एवं प्रतिक्रिया तंत्र और अधिक मजबूत हो सकता है।

सभा को संबोधित करते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने कहा कि रेलवे केवल परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज से सीधे जुड़ा एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक तंत्र है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना रेलवे की सामाजिक जिम्मेदारी का अभिन्न अंग है, जिसके लिए सतर्कता, संवेदनशीलता तथा सशक्त मल्टी-एजेंसी कोऑर्डिनेशन आवश्यक है।

कार्यशाला के दौरान पश्चिम रेलवे द्वारा “नन्हे फरिश्ते” एवं “ऑपरेशन डिगिनीटी” अभियानों के अंतर्गत किए गए प्रयासों की जानकारी भी साझा की गई। पिछले दो वर्षों में कुल 1,573 बच्चों-जिसमें वर्ष 2024 के दौरान 842 बच्चे तथा वर्ष 2025 (अब तक) 731 बच्चे शामिल हैं-को असुरक्षित परिस्थितियों से बचाकर पुनर्वासित किया गया तथा उनके परिवारों से पुनर्मिलन सुनिश्चित किया गया है। इसके अतिरिक्त, चाइल्ड हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं, जिनका संचालन संबंधित राज्य सरकारों एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारियों के सहयोग से प्रभावी रूप से किया जा रहा है।

पश्चिम रेलवे महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, मानव तस्करी की रोकथाम तथा मानवीय मूल्यों की रक्षा हेतु प्रशिक्षण, जागरूकता एवं इंटर-एजेंसी कोऑर्डिनेशन को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है।





महाप्रबंधक द्वारा अहमदाबाद मंडल में रेल परियोजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, अहमदाबाद में अहमदाबाद मंडल पर चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं, निर्माण एवं पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक की।

महाप्रबंधक ने इस दौरान अहमदाबाद, साबरमती और भुज स्टेशन पर चल रहे रीडवलपमेंट कार्य की प्रगति, आदरज मोटी-विजापुर गेज परिवर्तन, साबरमती-असारवा Y कनेक्टिविटी, गांधीधाम-आदिपुर लाइन का चौहरीकरण, सामाख्याली-गांधीधाम चौहरीकरण, अहमदाबाद यार्ड रिमॉडलिंग वटवा-अहमदाबाद-साबरमती चौथी लाइन, नलिया-जखाऊ पोर्ट नई लाइन आदि परियोजना के कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में महाप्रबंधक श्री गुप्ता ने अहमदाबाद मंडल में चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों, रोड ओवर ब्रिज (ROB), रोड अंडर ब्रिज (RUB), यात्री सुविधाओं के उन्नयन, सुरक्षा एवं परिचालन सुधार कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक प्रोजेक्ट की वर्तमान स्थिति, पूर्णता का लक्ष्य, आने वाली तकनीकी या प्रशासनिक अड़चनों तथा समाधान की दिशा में उठाए जा रहे कदमों की जानकारी ली।

यह निर्देश भी दिए कि सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए, ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ मिल सकें और परिचालन दक्षता में वृद्धि हो। उन्होंने यह भी कहा कि परियोजनाओं की मॉनिटरिंग नियमित रूप से की जाए तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान श्री गुप्ता ने अहमदाबाद मंडल के अंतर्गत गेज कन्वर्जन एवं नई रेल लाइन निर्माण परियोजनाओं की प्रगति पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने विस्तृत रूप से यह जाना कि किस सेक्शन में कितना कार्य पूरा हो चुका है, कितना कार्य शेष है और निर्धारित समय तक उसे पूरा करने की योजना क्या है।

पश्चिम रेलवे यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और संरचनात्मक विकास के क्षेत्र में निरंतर नये मानक स्थापित कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी अधिकारी मिलजुलकर निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), मुख्य परियोजना प्रबंधक (निर्माण), मुख्य परियोजना प्रबंधक (RLDA) सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं मुख्यालय से आए प्रमुख मुख्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। ■

महाप्रबंधक द्वारा रतलाम मंडल का गहन संरक्षा निरीक्षण

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने मुख्यालय के सभी विभाग प्रमुखों के साथ रतलाम मंडल के नीमच-चित्तौड़गढ़ रेल खंड का वार्षिक संरक्षा निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य रेल संरक्षा मानकों की समीक्षा, परिचालन व्यवस्थाओं का आकलन तथा यात्री सुविधाओं एवं अवसंरचना विकास कार्यों की प्रगति की जांच करना रहा।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया, क्लब, लॉबी, रनिंग रूम, हेल्थ यूनिट, नवनिर्मित एमओटी (मिनिस्ट्री ऑफ टूरिज्म) बिल्डिंग, एआरटी (दुर्घटना राहत ट्रेन) एवं एआरएमई (दुर्घटना राहत मेडिकल उपकरण) का गहन निरीक्षण किया। इसके पश्चात बिलसवास कलां रेलवे स्टेशन पर माइनर रेलवे कॉलोनी, प्वाइंट, गैंग टूल रूम सहित रेलवे लाइन का विस्तृत निरीक्षण किया गया। नीमच रेलवे स्टेशन पर अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों, रेलवे कॉलोनी, रेलवे सुरक्षा बल बैरक, गुड्स शेड सहित

अन्य लोकेशनों का निरीक्षण किया गया।

श्री गुप्ता ने अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत नीमच स्टेशन पर किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि स्टेशन के हेरिटेज स्वरूप को बनाए रखते हुए आधुनिक सुविधाओं का विकास किया गया है। नीमच-रतलाम दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत मंदसौर के समीप निर्माणाधीन शिवना ब्रिज के कार्यों का निरीक्षण किया गया तथा परियोजना को निर्धारित समयवधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मंदसौर से ढोढर के मध्य ब्रिज संख्या 370 से कर्व संख्या 104 तक लगभग 41 किलोमीटर खंड में लगभग 120 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से स्पीड ट्रायल भी

किया गया। संरक्षा निरीक्षण के दौरान दो समपार फाटक, एक एलएचएस (लिमिटेड हाइट सबवे), माइनर एवं मेजर ब्रिज तथा कर्व का भी निरीक्षण किया गया। महाप्रबंधक ने उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्यों हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। ■





महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में 76वें संविधान दिवस समारोह में प्रस्तावना देते हुए।

पश्चिम रेलवे पर मनाया गया 76वां संविधान दिवस

पश्चिम रेलवे पर 26 नवंबर 2025 को राष्ट्र के 76वें संविधान दिवस का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। यह दिवस उस पावन अवसर की स्मृति में मनाया जाता है, जब भारत के संविधान को 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत किया गया था। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया।

महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने मुख्यालय कार्यालय में भारतीय संविधान की

प्रस्तावना का वाचन कराया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक, सभी विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ रेल अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। मंडल स्तर पर संबंधित मंडल रेल प्रबंधकों द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रस्तावना का वाचन कराया गया। मुंबई सेंट्रल स्थित जगजीवन राम अस्पताल में अस्पताल स्टाफ के आश्रितों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त, रेलवे सेकेंडरी स्कूल, वलसाड द्वारा भी इस अवसर पर वाद-विवाद/प्रश्नोत्तरी तथा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पश्चिम रेलवे मुख्यालय, मुंबई में 11 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया, जिनके योगदान से सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित हो सका। ये कर्मचारी अक्टूबर, 2025 के दौरान ड्यूटी में सतर्कता बरतते हुए अप्रिय घटना को टालने में सफल रहे। पुरस्कार पाने वालों में मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, रतलाम, अहमदाबाद, राजकोट एवं भावनगर मंडल से कर्मचारी शामिल थे।

मुंबई सेंट्रल मंडल के दो कर्मचारियों श्री संजय कुमार, फिटर, वसई रोड और श्री शैलेश उपाध्याय, कांस्टेबल को सेफ्टी के अलग-अलग एरिया में ट्रेनों को सुरक्षित चलाने के लिए उनके हाई लेवल के कमिटमेंट और डेडिकेशन के लिए अवार्ड दिया गया। श्री विवेक कुमार गुप्ता ने अवार्ड पाने वाले सभी ग्यारह कर्मचारियों की अलर्टनेस की सराहना की और कहा कि वे सभी के लिए एक मिसाल हैं।

श्री संजय कुमार, फिटर ने 11 अक्टूबर 2025 को एक जांच के दौरान एक कंटेनर के ऑटोमैटिक दिवस्ट लॉक (ATL) में कुछ दिक्कतें देखीं। उन्होंने तुरंत उसे ठीक कर दी, जिससे एक संभावित ट्रेन हादसा टल गया। श्री शैलेश उपाध्याय, कांस्टेबल ने 2 अक्टूबर, 2025 को पेट्रोलिंग करते समय चार अनजान लोगों को शक के घेरे में घूमते देखा। स्टाफ को देखकर वे लोग भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन उन्हें पकड़कर पूछताछ के लिए लाया गया। पता चला कि वे लोग वापी से आए थे और उनके पास गैर-कानूनी सामान था, जो महाराष्ट्र में प्रतिबंधित है।

पश्चिम रेलवे को इन सभी कर्मचारियों पर गर्व है, जिन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को समय रहते रोकने में सहायता की।



पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता, अपर महाप्रबंधक, प्रमुख विभागाध्यक्षों तथा महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं के साथ दिखाई दे रहे हैं।



पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता के साथ अपर महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार तथा प्रमुख मुख्य बिजली इंजीनियर श्री रजनीश कुमार गोयल दिखाई दे रहे हैं।

ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन

रेलवे अपने नेटवर्क पर सतत विकास को बढ़ावा देने हेतु निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठा रही है, जिससे ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और सुदृढ़ होती है। इसी क्रम में, पश्चिम रेलवे द्वारा राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस (जो प्रत्येक वर्ष 14 दिसंबर को मनाया जाता है) के अवसर पर 08 से 14 दिसंबर 2025 तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना तथा पश्चिम रेलवे द्वारा इस दिशा में की गई पहलों को उजागर करना था।

सप्ताह भर चले इस आयोजन के दौरान पश्चिम रेलवे के सभी छह मंडलों, पाँच कारखानों एवं मुख्यालय में विभिन्न ऊर्जा संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें सेमिनार, पंपलेट का वितरण, रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक घोषणाएँ, एसएमएस अलर्ट, बैनर प्रदर्शन आदि शामिल थे। इसके अतिरिक्त, निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं जैसी सहभागितापूर्ण गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों के साथ-साथ आम जनता को ऊर्जा संरक्षण के महत्व के प्रति संवेदनशील बनाना था।

ऊर्जा संरक्षण सप्ताह 2025 के अंतर्गत एक सेमिनार का आयोजन किया गया,

जिसकी अध्यक्षता पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने की। इस सेमिनार में अपर महाप्रबंधक, प्रमुख विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक, वरिष्ठ रेल अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सेमिनार में भारतीय रेल एवं पश्चिम रेलवे द्वारा सतत ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय एवं वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के समर्थन में निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में वर्ष 2024-2025 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले पंद्रह रेलवे अधिकारियों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों एवं ऊर्जा दक्षता बढ़ाने तथा नवोन्मेषी ऊर्जा बचत उपायों के कार्यान्वयन हेतु मेरिट प्रमाण पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

महाप्रबंधक ने भविष्य में ऊर्जा संरक्षण उपायों को और अधिक सुदृढ़ एवं सतत बनाने हेतु महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं सुझाव भी दिए। उन्होंने निरंतर निगरानी, नवीन ऊर्जा दक्ष तकनीकों को अपनाने, नवीकरणीय ऊर्जा के अधिक उपयोग तथा सभी विभागों की सामूहिक भागीदारी के महत्व पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे दीर्घकालिक पर्यावरणीय एवं वित्तीय लाभ प्राप्त करने हेतु ऊर्जा संरक्षण को अपनी दैनिक कार्यप्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनाएं। ■

पश्चिम रेलवे ने मनाया वार्षिक सिविल डिफेंस दिवस

पश्चिम रेलवे सिविल डिफेंस संगठन द्वारा सिविल डिफेंस वार्षिक दिवस का आयोजन गुरुवार, 11 दिसम्बर, 2025 को पश्चिम रेलवे स्पोर्ट्स ग्राउंड, महालक्ष्मी में किया गया। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा सिविल डिफेंस ध्वज फहराया। उन्होंने उपस्थित रेल अधिकारियों, सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों, कर्मचारियों और उनके परिजनों को संबोधित किया तथा स्वयंसेवकों को सामुदायिक क्षमता-निर्माण एवं संकट की स्थिति में लोगों की सहायता हेतु निरंतर योगदान देने का आवाहन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत नौ टुकड़ियों की एक औपचारिक परेड से हुई, जिसमें एक महिला टुकड़ी भी शामिल थी। इसके बाद सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों—जैसे हवाई हमले एवं बम विस्फोट—के दौरान अपनाई जाने वाली बचाव एवं राहत तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। कोच के अंदर लगी आग को बुझाने की प्रक्रिया प्रदर्शित करने हेतु फायर-बॉल का उपयोग करते हुए एक विशेष अग्निशमन ड्रिल भी आयोजित की गई। रेलवे परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने और ट्रेसपासिंग की रोकथाम के महत्व का

संदेश देने के लिए एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम स्थल पर सिविल डिफेंस उपकरणों, साधनों एवं तैयारियों को दर्शाती एक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जो पश्चिम रेलवे की मजबूत सिविल डिफेंस क्षमताओं को प्रतिबिंबित करती है।

अपने संबोधन में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों की निष्ठा, समर्पण एवं सेवाभाव की सराहना की तथा उन्हें सामुदायिक क्षमता-निर्माण और आपातकालीन सहायता में निरंतर योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर भारत के माननीय राष्ट्रपति का संदेश भी पढ़ा गया। कार्यक्रम का आयोजन पश्चिम रेलवे के उप महाप्रबंधक (सामान्य) एवं नियंत्रक, सिविल डिफेंस, श्री उज्ज्वल देव के मार्गदर्शन में किया गया। ■



वार्षिक राउंड अप - पश्चिम रेलवे 2025

राष्ट्रीय उपलब्धियों, परिचालन उत्कृष्टता और यात्री-केंद्रित विकास का एक ऐतिहासिक वर्ष

वर्ष 2025 पश्चिम रेलवे के लिए एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी वर्ष रहा। यह वर्ष राष्ट्रीय महत्व की उपलब्धियों, रिकॉर्ड अवसंरचना विकास, उत्कृष्ट परिचालन, यात्री सुरक्षा, सेवा गुणवत्ता, डिजिटल शासन, राजस्व वृद्धि और सतत विकास पर केंद्रित प्रयासों से भरा रहा। पूरे वर्ष पश्चिम रेलवे ने परिचालन, विरासत और विकास की सटीकता, आधुनिकता और अनुशासन के साथ संतुलित करने की अपनी क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय उपलब्धियाँ एवं ऐतिहासिक प्रथम

वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों में पश्चिम रेलवे द्वारा संपूर्ण ब्रॉड गेज नेटवर्क का 100% विद्युतीकरण शामिल है, जिससे सतत और ऊर्जा-कुशल परिचालन सुनिश्चित हुआ। दाहोद रोलिंग स्टॉक वर्कशॉप में 21,405 करोड़ रुपये की लागत से विकसित अत्याधुनिक लोको मैन्युफैक्चरिंग शॉप का लोकार्पण किया गया, जहां 9000 हॉर्स पावर के विद्युत मालगाड़ी इंजन निर्मित होंगे, जिससे माल वहन क्षमता बढ़ेगी और रोजगार सृजन होगा। इसके अलावा, 234 किलोमीटर नई लाइन, दोहरीकरण और गेज परिवर्तन कार्य पूरे किए गए तथा खाचरौद-नागदा खंड पर भारत की पहली 2x25 केवी ट्रेक्शन प्रणाली का सफल कमीशनिंग कर उच्च गति और ऊर्जा-कुशल परिचालन सुनिश्चित किया गया।

अवसंरचना विस्तार एवं संरक्षा कार्य - संपर्क, लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय विकास

वर्ष 2025 में पश्चिम रेलवे ने 138 रोड ओवर/अंडर ब्रिज बनाए, 114 मानवयुक्त समपार फाटकों को हटाया और 660 किमी डब्ल्यू-बीम फेंसिंग स्थापित की। आणंद-गोधरा, महेसाणा-पालनपुर और राजकोट-हड़मतिखा खंडों का दोहरीकरण, कई खंडों का गेज परिवर्तन और विद्युतीकरण पूर्ण कर गुजरात में 100% विद्युतीकरण सुनिश्चित किया गया। इन परियोजनाओं से नेटवर्क बाधाएँ कम हुईं, यात्रा समय घटा और क्षेत्रीय विकास तथा लॉजिस्टिक्स को गति मिली।

परिचालन उत्कृष्टता एवं समयपालनता में नेतृत्व

वर्ष 2025 में पश्चिम रेलवे ने समयपालनता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारतीय रेल की शीर्ष जोनल रेलों में अपना स्थान बनाए रखा। मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की समयपालनता नवम्बर में लगभग 97% और संचयी अवधि में 96% रही। यह उपलब्धि भारी मानसून, सघन उपनगरीय परिचालन और अवसंरचना कार्यों के बावजूद हासिल की गई।

मुंबई उपनगरीय रेल नेटवर्क - भारत की जीवनरेखा

वर्ष 2025 में भी पश्चिम रेलवे का मुंबई उपनगरीय नेटवर्क मुंबई की जीवनरेखा बना रहा, जो प्रतिदिन 30 लाख से अधिक यात्रियों को सेवा देता है। मानसून के बावजूद पूर्व-मानसूनी योजना, तैयारी और त्वरित प्रतिक्रिया से सेवाएं अधिकांशतः निर्बाध रहीं।

प्रमुख यात्री सेवा विस्तार एवं बढ़ती मांग का प्रभावी प्रबंधन

वर्ष 2025 में पश्चिम रेलवे ने नई नियमित और स्पेशल ट्रेनों के माध्यम से यात्री संपर्क सुदृढ़ किया। उधना-ब्रह्मपुर अमृत भारत एक्सप्रेस, नई मेमू सेवाएं और भावनगर-अयोध्या रेल सेवा प्रारंभ की गई। हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों के लगभग 7000 फेरे और अतिरिक्त कोच जोड़कर भीड़ का प्रभावी प्रबंधन किया गया, जिससे उपनगरीय और लंबी दूरी की सेवाएं सुरक्षित और व्यवस्थित रहीं।

डिजिटल परिवर्तन और स्मार्ट गवर्नेंस

वर्ष 2025 में पश्चिम रेलवे ने डिजिटल शासन में महत्वपूर्ण प्रगति की। SUGAMRAIL प्लेटफॉर्म के माध्यम से लिफ्ट, एस्केलेटर और अर्थिंग पिट की डिजिटल निगरानी की गई। मुंबई सेंट्रल पर डिजिटल लाउंज और को-वर्किंग स्पेस स्थापित किए गए, 2,270 हैंड-हेल्ड टर्मिनल से 100% डिजिटल टिकट जांच सुनिश्चित की गई और रेल मदद शिकायत निवारण में लगातार पांचवें वर्ष प्रथम स्थान हासिल किया।

फ्रेट सेक्टर

पश्चिम रेलवे ने फ्रेट सेक्टर में पहला रेफ्रिजरेटेड (रीफर) कंटेनर रेक MHPL-साणंद से पीपावाव पोर्ट तक चलाया और पहली बार दो डिम्ड VP रेक लिंक कर सांकरेल गुड्स टर्मिनल तक लोडिंग की, जिससे लॉजिस्टिक सेवाओं और माल ढुलाई क्षमता में विस्तार हुआ।

सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करना

पश्चिम रेलवे आरपीएफ ने ऑपरेशन जीवन रक्षा में 37 जीवन बचाए, ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते में 769 लापता बच्चों को परिवार से मिलवाया और ऑपरेशन अमानत के तहत 5000 से अधिक यात्रियों को 11.66 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति लौटाई।

स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्टता और कर्मचारी कल्याण

वर्ष 2025 में पश्चिम रेलवे ने स्वास्थ्य सेवाओं में प्रगति की; राजकोट अस्पताल और अन्य प्रयोगशालाओं को NABL मान्यता मिली, जगजीवन राम अस्पताल में पहली अवे क्रैनियोटोमी हुई और 3-टेस्ला MRI सहित अत्याधुनिक CT-MRI सेंटर स्थापित किए गए।

सततता और हरित पहल

पश्चिम रेलवे ने 100% विद्युतीकरण, ग्रीन पावर, सौर ऊर्जा और वॉटर रीसाइक्लिंग से कार्बन फुटप्रिंट घटाया; राजकोट स्टेशन को ISO 14001:2015 प्रमाणन मिला और 98 "ईट राइट" प्रमाणन हासिल किए।

विरासत, समावेशिता और जनसंपर्क

वर्ष 2025 में पश्चिम रेलवे ने विरासत संरक्षण, समावेशिता और जनसंपर्क को सशक्त किया; बांद्रा स्टेशन महोत्सव और रतलाम स्टेशन की शताब्दी मनाई, पहली महिला TRD मेटेनेस टीम तैनात की, आरपीएफ की 'मेरी सहेली' पहल तथा "रेल की धड़कन" कार्यक्रम और भारतीय रेल का पहला पॉडकास्ट चैनल लॉन्च कर यात्रियों से जुड़ाव को मजबूत किया गया तथा सात 'अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार' जीते।

खेलों को बढ़ावा और वर्ष 2025 की उपलब्धियाँ

वर्ष 2025 में पश्चिम रेलवे के एथलीटों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरव बढ़ाया; अंतिम पंघल ने महिला कुश्ती में स्वर्ण और सोनाली शिंगटे ने कबड्डी विश्व कप में भारत को खिताब दिलाया। इसके साथ ही रेलवे के अन्य खिलाड़ी भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहे।

100% विद्युतीकरण, समयपालनता, रिकॉर्ड इंफ्रास्ट्रक्चर, मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और डिजिटल परिवर्तन के साथ, 2025 पश्चिम रेलवे के लिए मील का पत्थर रहा, जिसने उसकी राष्ट्रीय मानक वाली स्थिति और भविष्य के विकास का मजबूत आधार सुनिश्चित किया।

2026

जनवरी January

M	T	W	T	F	S	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

फरवरी February

M	T	W	T	F	S	S
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	

मार्च March

M	T	W	T	F	S	S
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

अप्रैल April

M	T	W	T	F	S	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

मई May

M	T	W	T	F	S	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

जून June

M	T	W	T	F	S	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

जुलाई July

M	T	W	T	F	S	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

अगस्त August

M	T	W	T	F	S	S
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

सितम्बर September

M	T	W	T	F	S	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

अक्टूबर October

M	T	W	T	F	S	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

नवम्बर November

M	T	W	T	F	S	S
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

दिसम्बर December

M	T	W	T	F	S	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

सार्वजनिक अवकाश / General Holidays

26/01 Mon	गणतंत्र दिवस	20/10 Tue	दशहरा (महानवमी)
19/02 Thu	छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती	09/11 Mon	दीपावली
04/03 Wed	होली		(गोवर्धन पूजा)
19/03 Thu	गुड़ी पाडवा/चैत्र शुक्लाष्टी/उगाडी/चेती चंद	10/11 Tue	दीपावली (बलि प्रतिपदा)
03/04 Fri	गुड फ्राइडे	24/11 Tue	गुरु नानक जयंती/गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस
01/05 Fri	बुद्ध पूर्णिमा/महाराष्ट्र दिवस/श्रमिक दिवस	25/12 Fri	क्रिसमस
27/05 Wed	ईद-उल-जुहा (बकरीद)		
15/08 Sat	स्वतंत्रता दिवस/पारसी नव वर्ष दिवस		
26/08 Wed	ईद-ए-मिलाद/ओणम		
14/09 Mon	गणेश चतुर्थी/विनायक चतुर्थी		
02/10 Fri	महात्मा गांधी जयंती		

प्रतिबंधित अवकाश / Restricted Holidays

01/01 Thu	नव वर्ष दिवस	02/04 Thu	श्री हनुमान जन्मोत्सव/मॉन्डी थर्सडे	15/09 Tue	ऋषि पंचमी
03/01 Sat	हज़रत अली जन्मदिन	05/04 Sun	ईस्टर संडे	25/09 Fri	अनंत चतुर्दशी
14/01 Wed	मकर संक्रांति/पोंगल/बिहू	14/04 Tue	वैशाखी/विशु/मेशाडी	18/10 Sun	दशहरा (सप्तमी)
22/01 Thu	श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठान	15/04 Wed	वैसाखी (बंगाल)/बहाग बिहू (असम)	19/10 Mon	दशहरा (महाष्टमी)
23/01 Fri	बसंत पंचमी/श्री पंचमी	09/05 Sat	गुरु रबीन्द्रनाथ टैगोर जयंती	26/10 Mon	महर्षि वाल्मीकि जयंती
01/02 Sun	गुरु रविदास जयंती	26/06 Fri	मोहर्रम	29/10 Thu	करवा चौथ
12/02 Thu	स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती	29/06 Mon	वट पूर्णिमा	06/11 Fri	दीपावली (धनत्रयोदशी)
15/02 Sun	महाशिवरात्रि	16/07 Thu	रथ यात्रा	08/11 Sun	दीपावली (नरक चतुर्दशी)
03/03 Tue	होलिका दहन/डोलयात्रा	29/07 Wed	गुरु पूर्णिमा	11/11 Wed	भाई दूज
20/03 Fri	जमात-उल-विदा	17/08 Mon	नाग पंचमी	15/11 Sun	छठ पूजा
21/03 Sat	रमज़ान-ईद (ईद-उल-फ़ित्र)	28/08 Fri	रक्षा बंधन	23/12 Wed	हज़रत अली जन्मदिन
26/03 Thu	श्री राम नवमी	04/09 Fri	जन्माष्टमी	24/12 Thu	क्रिसमस ईव
31/03 Tue	महावीर जयंती	08/09 Tue	मंदर मेरी जन्मोत्सव		

कलोल स्टेशन पर चार ट्रेनों के ठहराव का शुभारंभ

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में विधायक श्री लक्ष्मणजी पुंजाजी ठाकोर ने 16 दिसंबर 2025 को कलोल रेलवे स्टेशन पर 20959/20960 वलसाड-वडनगर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 12215/12216 दिल्ली सराय रोहिल्ला-बांद्रा टर्मिनस गरीब रथ एक्सप्रेस, 16507/16508 जोधपुर-केएसआर बेंगलुरु एक्सप्रेस और 15269/15270 मुजफ्फरपुर-साबरमती जनसाधारण एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव का शुभारंभ किया।

इन सभी ट्रेनों के ठहराव से कलोल एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को सीधी, सुलभ और समय की बचत करने वाली यात्रा सुविधा प्राप्त होगी। GIDC छत्राल में कार्य करने वाले श्रमिकों को भी सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी तथा उनको ट्रेन पकड़ने के लिए महेसाणा और अहमदाबाद नहीं जाना पड़ेगा। साथ ही विद्यार्थियों, नौकरीपेशा वर्ग, व्यापारियों, किसानों तथा स्थानीय श्रमिकों को अन्य बड़े स्टेशनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जिससे यात्रा में होने वाला समय, श्रम और आर्थिक व्यय-तीनों में उल्लेखनीय कमी आएगी। इसके साथ ही व्यापार, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तथा पर्यटन को भी नई गति मिलेगी।

कलोल रेलवे स्टेशन का लगभग 44.22 करोड़ रु. की लागत से अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकास किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत कलोल स्टेशन को आधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त, सुरक्षित एवं भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है।



कलोल स्टेशन पर 40 फीट चौड़े फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है, जो स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्मों को जोड़ते हुए शहर के पूर्व एवं पश्चिम दोनों भागों को आपस में जोड़ने का कार्य करेगा, जिससे यात्रियों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही, स्टेशन के पूर्वी छोर पर द्वितीय प्रवेश (सेकेंड एंट्री) भवन का निर्माण भी किया जा रहा है, जिससे कलोल के पूर्वी क्षेत्र के नागरिकों को टिकट बुकिंग, प्रतीक्षालय एवं अन्य यात्री सुविधाओं का सीधा लाभ प्राप्त होगा।

वर्तमान में कलोल स्टेशन से प्रतिदिन लगभग 2,000 यात्री आवागमन करते हैं और 24 ट्रेनें यहां नियमित रूप से रुकती हैं। इन चार जोड़ी ट्रेनों के ठहराव के साथ कुल 32 ट्रेनों का ठहराव कलोल स्टेशन पर हो जाएगा। ■

विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर सामूहिक ध्यान सत्र का आयोजन

विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर 21 दिसंबर 2025 को आर्ट ऑफ लिविंग के अनुभवी प्रशिक्षकों के सहयोग से विभिन्न स्थानों पर सामूहिक ध्यान सत्र का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रेल कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को मानसिक शांति, सकारात्मक सोच तथा

आत्मिक संतुलन की ओर प्रेरित करना था, ताकि वे दैनिक जीवन के तनाव और चुनौतियों का सामना अधिक सहजता एवं आत्मविश्वास के साथ कर सकें।

वर्तमान समय में बढ़ते वैश्विक तनाव, कार्यस्थल के दबाव तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को देखते हुए विश्व ध्यान दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह दिवस मानवता को एक क्षण ठहरकर स्वयं से जुड़ने, आंतरिक शांति प्राप्त करने तथा सकारात्मक ऊर्जा को अपनाने का संदेश देता है।

ध्यान सत्र के दौरान प्रतिभागियों को ध्यान के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक महत्व के बारे में जानकारी दी गई। नियमित ध्यान से व्यक्ति में भावनात्मक स्थिरता आती



है, आध्यात्मिक विकास को बल मिलता है, तनाव में कमी होती है तथा समाज में सामुदायिक जुड़ाव और आपसी सौहार्द बढ़ता है। उपस्थित प्रतिभागियों ने अनुभव किया कि ध्यान के माध्यम से मन को एकाग्र कर नकारात्मक विचारों से ऊपर उठकर सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया जा सकता है।

यह सामूहिक ध्यान सत्र अहमदाबाद मंडल के साबरमती कम्युनिटी सेंटर, विरमगाम कम्युनिटी सेंटर, कांकरिया कम्युनिटी सेंटर तथा गांधीधाम कम्युनिटी सेंटर में आयोजित किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में रेल अधिकारियों एवं रेल कर्मचारी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सभी प्रतिभागियों ने शांत वातावरण में ध्यान का अभ्यास किया और मानसिक सुकून का अनुभव किया।

इस अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर के प्रेरणादायी विचारों को भी साझा किया गया कि “ध्यान ही वह माध्यम है जिससे नकारात्मक विचारों से ऊपर उठकर सकारात्मकता स्वतः और स्वाभाविक रूप से आती है।” ■

मंडलों के अंचल से : राजकोट मंडल

राजकोट मंडल में 'जनजातीय गौरव दिवस - 2025' उत्सवपूर्वक मनाया गया

पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल में 13 नवम्बर, 2025 को 'जनजातीय गौरव दिवस - 2025' के उपलक्ष्य में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकोट मंडल रेल प्रबंधक श्री गिरिराज कुमार मीना ने की।

कार्यक्रम में गिर-सोमनाथ एवं जूनागढ़ क्षेत्र के प्रसिद्ध "धमाल नृत्य" की ऊर्जावान एवं मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराओं, लोक-संस्कृति और गौरवशाली विरासत को सुंदर रूप से प्रदर्शित किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही। उनका उत्साहपूर्ण सहभाग इस आयोजन की सफलता का प्रमुख आधार रहा। ■



सुरेंद्रनगर में हाई-इंटेंसिटी मॉक ड्रिल कर जांची आपदा तैयारियां

राजकोट मंडल द्वारा सुरेंद्रनगर स्टेशन पर आपदा एवं दुर्घटना प्रबंधन तैयारियों का आकलन करने हेतु एक व्यापक मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस संयुक्त अभ्यास में एनडीआरएफ, रेलवे अधिकारियों, सिविल प्रशासन, फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस, आरपीएफ तथा राज्य सरकार की जिला आपदा प्रबंधन टीमों ने सक्रिय सहभागिता की।



ड्रिल के दौरान प्रातः लगभग 08.30 बजे एक परिकल्पित दुर्घटना के तहत यह स्थिति बनाई गई कि न्यारा एनर्जी प्रा. लि. साइडिंग से रतलाम मंडल स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन साइडिंग जा रही एक मालगाड़ी की सुरेंद्रनगर यार्ड की लाइन संख्या 8 पर खड़े एक कैपिंग कोच से अचानक टक्कर हो गई। इस टक्कर के परिणामस्वरूप कोच के चार पहिए पटरी से उतर गए और उसमें मौजूद 12 रेलवे कर्मियों को गंभीर चोटें आने की स्थिति दर्शाई गई।

घटना की जानकारी मिलते ही राजकोट से एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल इक्विपमेंट (ARME) तथा एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (ART) तुरंत सुरेंद्रनगर भेजी गई। साथ ही रेलवे अधिकारियों, सिविल प्रशासन, एनडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस, आरपीएफ, जिला आपदा प्रबंधन दल तथा निकटस्थ अस्पतालों को सूचित कर राहत कार्यों की रूपरेखा सक्रिय कर दी गई।

साइट पर प्राथमिक उपचार हेतु टेंट स्थापित किए गए, यूनिफाइड कमांड सेंटर बनाया गया तथा सहायता/सूचना हेतु हेलपलाइन बूथ भी संचालित किए गए। मंडल रेल प्रबंधक श्री गिरिराज कुमार मीना, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी श्री

एन.आर. मीना, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सुनील कुमार मीना तथा NDRF के वरिष्ठ अधिकारी श्री अनुपम के मार्गदर्शन में संयुक्त रेस्क्यू योजना पर कार्य किया गया।

रेलवे एवं NDRF की टीमों ने समन्वित कार्रवाई करते हुए कोच को काटकर सभी 12 'घायल' कर्मियों को स्ट्रेचर की सहायता से सुरक्षित बाहर निकाला और एंबुलेंस तक पहुँचाया। वास्तविक

जैसी इस स्थिति को देखकर स्थानीय लोग आश्चर्यचकित रह गए। दोपहर लगभग 11.33 बजे पूरी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक घोषित करते हुए इसे मॉक ड्रिल बताया गया।

अभ्यास का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विभागों की आपातकालीन तैयारी, त्वरित प्रतिक्रिया, आपसी समन्वय तथा राहत कार्यों की प्रभावशीलता का परीक्षण करना था। ड्रिल के दौरान घायलों की निकासी, प्राथमिक उपचार, भीड़ नियंत्रण, संचार व्यवस्था, संरक्षा उपाय तथा राहत गतिविधियों का विस्तृत अनुकरण किया गया।

अभ्यास के उपरांत समीक्षा बैठक में संरक्षा और आपदा प्रबंधन से संबंधित सुधार बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस संयुक्त अभ्यास में रेलवे के ऑपरेटिंग, सेफ्टी, इलेक्ट्रिकल, इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं टेलीकॉम, मैकेनिकल, सुरक्षा, वाणिज्यिक, मेडिकल विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों सहित NDRF, पुलिस, मेडिकल एवं सिविल प्रशासन के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। ■

68वीं पेंशन अदालत में पेंशन संबंधी 225 मामलों का हुआ निपटारा

पश्चिम रेलवे के भावनगर रेलवे मंडल पर सोमवार 15 दिसंबर, 2025 को मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा की अध्यक्षता में “68वीं पेंशन अदालत” का सफल आयोजन किया गया। इस पेंशन अदालत में मंडल से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन से संबंधित विभिन्न समस्याओं का समाधान किया गया।



पेंशन भुगतान आदेश (PPO), फिक्स्ड मेडिकल एलाउन्स, ग्रुप इंश्योरेंस सहित पेंशन से जुड़े ब्रॉडगेज वर्कशॉप के 8 मामले और मंडल कार्यालय के 217 मामलों सहित कुल 225 मामलों का तत्परता एवं संतोषजनक ढंग से निपटारा किया गया।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पेंशन अदालत को सफल बनाने में कार्मिक विभाग, वित्त विभाग, निपटारा शाखा एवं वेलफेयर इंस्पेक्टर की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही,

जिनके समन्वित प्रयासों से सभी मामलों का समयबद्ध निस्तारण संभव हो सका।

पेंशन से संबंधित मामलों के शीघ्र समाधान एवं त्वरित कार्यवाही के लिए “ऑल इंडिया रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन” तथा “अखिल भारतीय रेलवे पेंशनर्स कल्याण महासंघ (All India Railway Pensioners Welfare Federation)” द्वारा प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमांशु शर्मा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री मोहित पांचाल, सहायक कार्मिक अधिकारी श्री वाई. राधेश्याम, सहायक कार्मिक अधिकारी श्री संतोष कुमार वर्मा, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी – ब्रॉडगेज वर्कशॉप श्री वीरेंद्र प्रताप सिंह एवं सहायक मंडल वित्त प्रबंधक श्री संजय सक्सेना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्पेशल खेल महाकुंभ में ‘वॉरियर’ टीम का शानदार प्रदर्शन, लगातार तीसरी बार गोल्ड मेडल पर कब्जा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं गुजरात सरकार की प्रेरणा से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले विशेष खेल महाकुंभ में दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिभा ने एक बार फिर अपनी उड़ान भरी है। इसी कड़ी में श्री पराक्रमसिंह कनुभा गोहिल (कप्तान) के नेतृत्व में ‘वॉरियर’ टीम ने पेरा सिटिंग वॉलीबॉल खेल की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया है।

यह प्रतियोगिता 7 दिसंबर, 2025 (रविवार) को सिदसर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के इनडोर स्टेडियम, भावनगर में पेरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन, भावनगर की अगुवाई में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में भावनगर जिले की कुल 7 टीमों ने भाग लिया, सभी को पराजित करते हुए ‘वॉरियर’ टीम ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया। गौरतलब है कि ‘वॉरियर’ टीम ने यह खिताब लगातार तीसरी बार जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की है। यह उपलब्धि टीम की कड़ी मेहनत, अनुशासन और कप्तान श्री पराक्रमसिंह गोहिल के कुशल नेतृत्व का परिणाम है।



दिव्यांग कर्मचारी श्री पराक्रमसिंह कनुभा गोहिल वर्तमान में पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में वाणिज्य विभाग में मुख्य वाणिज्य क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। अब जनवरी 2026 में श्री पराक्रमसिंह कनुभा गोहिल की अगुवाई में ‘वॉरियर’ टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपने चैम्पियनशिप खिताब का बचाव (डिफेंड) करने हेतु नडियाद के लिए रवाना होगी।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमांशु शर्मा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी, मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुश्री नीलादेवी झाला एवं भावनगर मंडल के सभी शाखा अधिकारियों ने उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और भविष्य में उनकी शानदार उपलब्धियों की कामना की।

वासद — कठाणा खंड पर डेमू सेवा की शुरुआत

आणंद के सांसद श्री मितेशभाई पटेल, गुजरात सरकार के खाद्य विभाग, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता सुरक्षा मंत्री श्री रमणभाई सोलंकी तथा उपस्थित अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा 7 दिसंबर, 2025 को कठाणा में आयोजित समारोह में कठाणा से डेमू को हरी झंडी दिखाकर वासद — कठाणा खंड पर इस सेवा को पुनर्बहाल किया गया। इस अवसर पर वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके एवं मंडल के वरिष्ठ अन्य अधिकारी, प्रेस एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि एवं क्षेत्र की जनता उपस्थित थीं। उद्घाटक सेवा के रूप में यह डेमू ट्रेन कठाणा से वासद के बीच परिचालित की गई। 18 दिसंबर, 2025 से यह डेमू अपनी नियमित सेवा के रूप में कठाणा और वडोदरा के बीच परिचालित हुई।



आणंद के सांसद श्री मितेशभाई पटेल ने वर्षों बाद जनता की मांग पर इस सेवा को पुनः शुरू किये जाने पर खुशी जाहिर की। श्री पटेल ने कठाणा के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि यह ट्रेन शुरू होने से स्थानीय निवासियों को काफी सहूलियत होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार प्रकट किया कि वो अपने व्यस्त जीवन में भी राष्ट्र की जनता की चिंता करते हैं और गुजरात में भयंकर बाढ़ के बाद उन्होंने गुजरात सरकार और रेल मंत्री जी के साथ जनता की परेशानियाँ दूर करने की योजना बनाई। उन्होंने रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का भी धन्यवाद किया, जिनके निर्देश पर यह सपना साकार हुआ। उन्होंने वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके के पॉजिटिव सपोर्ट का भी धन्यवाद दिया। उन्होंने मंडल रेल प्रबंधक से ट्रेन के स्टॉपेज बढ़ाने और इस मार्ग पर भविष्य में इलेक्ट्रिक ट्रेन चलाने की मांग की।

गुजरात सरकार के खाद्य विभाग, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता सुरक्षा मंत्री श्री रमणभाई सोलंकी ने जनमानस को सम्बोधित करते हुए बताया कि इस ट्रेन को कोरोना काल के बाद दुबारा चलाने की मांग सोशल मीडिया पर भी लोगों द्वारा जोर-शोर से की गई थी। आज जनता का सपना साकार हो रहा है और कोरोना काल के बाद इस रेलखंड पर पुनः यह डेमू ट्रेन शुरू हो रही है। उन्होंने रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का विशेष तौर पर धन्यवाद किया, जिनके विशेष प्रयासों से डेमू ट्रेन की शुरुआत हुई, जिससे कठाणा और आस पास के क्षेत्रों से रोजगार एवं शिक्षा के लिये वडोदरा जाने वाले युवाओं, आस पास के गांव की जनता को इस ट्रेन के दुबारा शुरू होने से लाभ मिलेगा। उन्होंने लोगों से इस ट्रेन से ज्यादा से ज्यादा सफ़र कर सहयोग करने का भी अनुरोध किया, जिससे बढ़ती मांग को देखते हुए इसमें कोचों की संख्या बढ़ाई जा सके और ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस सुविधा का लाभ मिल सके।

महाप्रबंधक ने वडोदरा—गोधरा—आणंद रेल खंड का किया संरक्षा निरीक्षण

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने 12 दिसम्बर 2025 को वडोदरा मंडल के वडोदरा — गोधरा — आणंद रेल खंड एवं प्रतापनगर कारखाने का वार्षिक संरक्षा निरीक्षण किया। अपने संरक्षा निरीक्षण में उन्होंने वडोदरा — गोधरा — आणंद रेलखंड में संरक्षा एवं सुरक्षा मानकों, ढांचागत विकास कार्यों, यात्री सुविधाओं, कर्मचारियों हेतु उपलब्ध सुविधाओं तथा अन्य प्रगति कार्यों का विस्तृत मूल्यांकन किया। आणंद स्टेशन पर महाप्रबंधक ने आणंद के विधायक श्री योगेश पटेल एवं डाकोर स्टेशन पर थासरा के विधायक श्री योगेंद्र सिंह परमार से मुलाकात की एवं उन्हें मंडल के विकास कार्यों एवं यात्री सुविधाओं की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान श्री गुप्ता ने रोड अंडर ब्रिज, महत्वपूर्ण बड़े एवं छोटे पुलों, सेक्शनल स्पीड ट्रायल, पॉइंट एवं क्रॉसिंग, लेवल क्रॉसिंग सहित विभिन्न संरक्षा तत्वों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने वडोदरा, गोधरा, डेरोल एवं डाकोर स्टेशनों पर यात्री प्रतीक्षालय, टिकट बुकिंग सुविधा, शुद्ध पेय जल, पैदल ऊपरी पुल आदि उपलब्ध यात्री सुविधाओं का भी विस्तृत जायजा लिया। महाप्रबंधक श्री गुप्ता ने छायापुरी यार्ड में पॉइंट-क्रॉसिंग, इंजीनियरिंग, ट्रेक्शन, सिग्नलिंग एवं टेलीकम्यूनिकेशन गैंग का निरीक्षण कर संरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए तथा छायापुरी-डेरोल खंड में स्पीड ट्रायल देखा। उन्होंने गोधरा में स्टेशन, कॉलोनी, रनिंग रूम व आरपीएफ बैरक का निरीक्षण किया और रेलवे कम्युनिटी हाल का उद्घाटन किया। गोधरा-आणंद खंड पर पुलों, कर्वों एवं



लेवल क्रॉसिंग गेटों का निरीक्षण किया। डेरोल व गोधरा में विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी देखी और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हो रहे विकास कार्यों की सराहना की। साथ ही डेरोल, गोधरा और डाकोर में कॉलोनीयों का निरीक्षण कर रेलकर्मियों को नए आवासों की चाबियाँ वितरित कीं।

महाप्रबंधक ने यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को ट्रेक, समपार फाटक और अन्य संरक्षा मानकों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश देने को कहा, ताकि ट्रेन सेवाएँ अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और समयानुसार चल सकें।

मांगलिया गांव के पास नवनिर्मित रोड अंडर ब्रिज संख्या 91 ए का लोकार्पण संपन्न



पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के मांगलिया गांव-लक्ष्मीबाईनगर रेल खंड में निर्मित रोड अंडर ब्रिज संख्या 91 ए का निर्माण पूर्ण होने के बाद इसका लोकार्पण 21 दिसम्बर, 2025 को संपन्न हुआ।

अंडर ब्रिज संख्या 91 ए का लोकार्पण जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर के सांसद श्री शंकर लालवानी, राज्य सभा के सांसद डॉ. कविता पाटीदार द्वारा अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अंडर ब्रिज के निर्माण होने से सिंगापुर टाउनशिप सहित अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं को एक अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध होगी।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक रतलाम श्री अश्वनी कुमार सहित मंडल के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

रतलाम रेलवे स्टेशन महोत्सव में झलका सौ वर्षों का गौरव, परंपरा और प्रगति का अद्भुत संगम

रतलाम रेलवे स्टेशन भवन के 100 वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर स्टेशन परिसर में आज उत्साह, उल्लास और वरिष्ठ रेलकर्मियों के प्रति सम्मान के साथ भव्य स्टेशन महोत्सव का आयोजन किया गया। रतलाम स्टेशन की गौरवशाली विरासत को स्मरण करते हुए अतीत की प्रेरक यादों, वर्तमान के संकल्प और भविष्य की प्रगति को समर्पित इस महोत्सव ने सभी को भावुक एवं उत्साहित किया।



कार्यक्रम की शुरुआत अतीत को नमन करते हुए की गई। मंडल रेल प्रबंधक श्री अश्वनी कुमार ने अपने संबोधन में रतलाम रेलवे स्टेशन की रतलाम शहर के विकास, जन-जीवन, व्यापार और सांस्कृतिक समृद्धि में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने रतलाम मंडल में रेलवे द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों और यात्रियों की सुविधा हेतु उठाए जा रहे कदमों की जानकारी भी साझा की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. लीला जोशी रहीं, जिनकी उपस्थिति ने समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की।

सांस्कृतिक उत्सव के प्रारंभ में 100 वर्षों के प्रतीक स्वरूप माननीय अतिथियों द्वारा 10-10 के गुच्छों में 100 रंग-बिरंगे बैलून छोड़कर स्टेशन के शताब्दी वर्ष का भावपूर्ण संदेश पूरे आकाश में बिखेर दिया। इसके पश्चात स्टेशन परिसर में भव्य रंगोली डिजाइनों, आकर्षक आर्टिफैक्ट्स, स्मृति-सम्पन्न फोटो प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत शताब्दी वर्ष वॉल का अनावरण एवं हिलियम बैलून रेजिंग भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने महोत्सव में उत्साह का नया रंग भर दिया। मंडल के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सुमधुर गीतों ने सभी का मन मोह लिया, वहीं दाहोद से आए कलाकारों के आदिवासी फोक डांस ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान उत्साह उस समय चरम पर पहुंच गया जब रेलवे सुरक्षा बल के जवान तिरंगा हाथ में लेकर बुलेट मोटरसाइकिल पर भारत माता के जयघोष के साथ परेड करते हुए नजर आए। उनके साथ स्काउट-गाइड, सिविल डिफेंस और रेलवे स्कूल के बच्चों द्वारा भी आकर्षक परेड प्रदर्शन किया गया।

महोत्सव स्थल पर सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें रेलवे से सेवानिवृत्त वरिष्ठ

रेलकर्मियों को आमंत्रित कर उनके अनुभवों, स्मृतियों और रेल सेवा में दिए गए योगदान को सम्मानपूर्वक साझा किया गया। रेलवे प्रशासन द्वारा इन सभी सेवानिवृत्त रेलकर्मियों को सम्मानित किया गया, जिसके चलते वातावरण भावनाओं और सम्मान से सराबोर हो उठा।

सम्माननीय अतिथियों द्वारा स्टेशन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित ड्राईंग एवं क्विज प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

इस ऐतिहासिक अवसर पर डाक विभाग द्वारा रतलाम रेलवे स्टेशन भवन के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष पोस्टल कवर जारी किया गया, जिसका विमोचन मुख्य अतिथि डॉ. लीला जोशी तथा अन्य माननीय अतिथियों द्वारा किया गया। रतलाम रेलवे स्टेशन के शताब्दी वर्ष पर आयोजित यह महोत्सव न केवल अतीत के गौरव को सलाम करता है, बल्कि भविष्य की नई संभावनाओं को भी ऊर्जा प्रदान करता है। पूरे परिसर में उत्सव का माहौल इस बात का प्रमाण रहा कि रतलाम स्टेशन केवल एक भवन नहीं, बल्कि इस क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर और प्रगति का प्रतीक है।

पश्चिम रेलवे अधिकारी ने प्रतिष्ठित आयरनमैन मलेशिया 2025 ट्रायथलॉन पूरा किया

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक के सचिव श्री सचिन शर्मा ने 1 नवम्बर 2025 को मलेशिया के लंगकावी द्वीप पर आयोजित विश्व प्रसिद्ध आयरनमैन मलेशिया ट्रायथलॉन को सफलतापूर्वक पूरा किया। यह अंतर्राष्ट्रीय धीरज प्रतियोगिता दुनिया की सबसे कठिन खेल चुनौतियों में से एक मानी जाती है और इसमें 3.8 किमी खुले समुद्र में तैराकी, उसके बाद 180 किमी साइकिलिंग और 42.2 किमी की पूर्ण मैराथन दौड़ शामिल है, जो कुल 226 किमी की दूरी तय करती है।

लंगकावी की गर्म और आर्द्र उष्णकटिबंधीय जलवायु ने इस प्रतियोगिता को बेहद चुनौतीपूर्ण बना दिया। दौड़ की शुरुआत मनोरम पंताई कोक बीच से हुई, जहाँ प्रतिभागियों ने मध्यम ज्वार के साथ क्रिस्टल साफ़ समुद्र के पानी में तैराकी की। तैराकी के तुरंत बाद एथलीटों ने घने उष्णकटिबंधीय जंगलों को चीरती सुरम्य तटरेखा और खड़ी पहाड़ी सड़कों से गुजरते हुए 180 किलोमीटर के साइकिलिंग रूट पर कदम रखा। यह बाइकिंग कोर्स आयरनमैन स्पर्धाओं में सबसे चुनौतीपूर्ण माना जाता है, जिसमें लगभग 1600 मीटर की ऊँचाई और कई कठिन चढ़ाई शामिल हैं। अंतिम दौड़ महसूरी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र से शुरू हुआ और खूबसूरत चेनांग बीच पर समाप्त हुआ। हालाँकि दौड़ का रास्ता



अपेक्षाकृत समतल था, लेकिन गर्मी और उमस ने प्रत्येक प्रतिभागी की सहनशक्ति और लचीलेपन की कड़ी परीक्षा ली।

श्री शर्मा ने पूरी दौड़ के दौरान अद्भुत दृढ़ संकल्प, अनुशासन और मानसिक शक्ति का परिचय दिया। जैसे ही वे जोरदार जयकारों के बीच अंतिम चरण में पहुँचे, कार्यक्रम के उद्घोषक ने गर्व से घोषणा की, “सचिन, आप एक आयरनमैन हैं!”, जिससे ट्रायथलॉन का उनका आधिकारिक समापन चिह्नित हुआ। दौड़ पूरी करने के बाद उन्हें प्रतिष्ठित फ़िनिशर मेडल, फ़िनिशर टावर सिक्का और आधिकारिक आयरनमैन फ़िनिशर जर्सी प्रदान की गई, जो उनकी उपलब्धि का प्रतीक है। श्री शर्मा एक उत्साही धीरज एथलीट हैं और पिछले कुछ वर्षों में लगभग 60 से 70 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मैराथन में भाग ले चुके हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में कॉमरेड्स अल्ट्रा मैराथन को सफलतापूर्वक पूरा किया है, जो दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण अल्ट्रा-डिस्टेंस रोड रेस में से एक है। उन्होंने जैसलमेर में बॉर्डर रेस (जिसे हेल रेस भी कहा जाता है) में भी भाग लिया है, जो अपनी चरम रेगिस्तानी परिस्थितियों के लिए जाना जाता है और लद्दाख में सिल्क रूट अल्ट्रा रेस में भी भाग लिया है, जो उच्च ऊँचाई वाले हिमालयी भूभाग पर आयोजित होती है। उनकी सहनशक्ति में उत्कृष्टता की निरंतर खोज और अनुशासित फिटनेस दिनचर्या, रेलवे परिवार के कई सदस्यों के लिए प्रेरणा और प्रोत्साहन का स्रोत रही है।

श्री सचिन शर्मा की यह उल्लेखनीय उपलब्धि पश्चिम रेलवे के लिए गौरव की बात है, जो फिटनेस, सहनशक्ति और समग्र स्वास्थ्य के प्रति अपने अधिकारियों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।



अहमदाबाद मंडल में 6वीं डीआरएम चैम्पियनशिप

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल में अहमदाबाद मंडल स्पोर्ट्स एसोसिएशन (ADSA) द्वारा आयोजित 6वीं डीआरएम चैम्पियनशिप का शुभारंभ 25 नवंबर 2025 को साबरमती स्थित स्पोर्ट्स ग्राउंड में किया गया। इस आयोजन की शुरुआत एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश द्वारा की गई। वर्ष 2025-26 की इस चैम्पियनशिप में 10 खेल और कुल 38 इवेंट शामिल थे। अहमदाबाद मंडल के 16 विभागों के लगभग 1100-1200 कर्मचारी उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो इसे पश्चिम रेलवे की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिताओं में से एक बनाता है।



प्रतिस्पर्धा में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज और एथलेटिक्स सहित कई लोकप्रिय खेल शामिल थे।

इस चैम्पियनशिप में विभिन्न विभागों, कारखाने, साबरमती स्टोर तथा गांधीधाम एरिया मैनेजर टीम सहित कुल 16 टीमों ने भाग लिया। डीआरएम चैम्पियनशिप का उद्देश्य खेल भावना को प्रोत्साहित करना, कर्मचारियों में टीमवर्क बढ़ाना तथा शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना है। यह आयोजन कर्मचारियों को खेलों के माध्यम से उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है।

महिला कबड्डी विश्व कप में भारत की जीत-पश्चिम रेलवे की सोनाली शिंगटे द्वारा शानदार प्रदर्शन

भारत ने 17 से 24 नवंबर 2025 तक ढाका, बांग्लादेश में आयोजित द्वितीय महिला कबड्डी विश्व कप में रोमांचक फाइनल में चीनी ताइपे को हराकर खिताब अपने नाम किया। यह असाधारण उपलब्धि न केवल पूरे देश के लिए, बल्कि पश्चिम रेलवे के लिए भी अत्यंत गर्व का क्षण है।



पश्चिम रेलवे के लिए यह बहुत ही गर्व की बात है कि मुंबई सेंट्रल मंडल में डिप्टी चीफ टिकट इंस्पेक्टर (Dy CTI) के तौर पर काम करने वाली सुश्री सोनाली शिंगटे ने इंडियन टीम की राइट रेडर के तौर पर शानदार परफॉर्मेंस दी। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने अपनी रेड्स में जबरदस्त फुर्ती, कॉन्फिडेंस और सटीकता दिखाई, जिससे भारत की जीत

में अहम योगदान मिला।

पश्चिम रेलवे को सुश्री सोनाली शिंगटे के डेडिकेशन और अचीवमेंट पर बहुत गर्व है। उनका योगदान न केवल इंडियन महिला कबड्डी टीम के लिए प्रतिष्ठा की बात है, बल्कि पूरे पश्चिम रेलवे परिवार के लिए भी बहुत सम्मान की बात है।

पश्चिम रेलवे भारतीय महिला कबड्डी टीम को दिल से बधाई देती है और सुश्री सोनाली शिंगटे को उनके इन्स्पायरिंग परफॉर्मेंस के लिए सलाम करती है, जो रेलवे एथलीट्स के साथ-साथ देश भर के युवा खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहित करता है।

सीनियर नेशनल कुश्ती चैम्पियनशिप में रतलाम मंडल के पहलवानों का शानदार प्रदर्शन

अहमदाबाद में 11 से 14 दिसम्बर 2025 तक आयोजित सीनियर नेशनल कुश्ती चैम्पियनशिप में पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के पहलवानों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन पदक अर्जित कर मंडल का नाम रोशन किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारतीय रेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए समग्र रूप से चैम्पियनशिप अपने नाम की जिसमें रतलाम मंडल के पहलवानों का भी योगदान रहा। इस प्रतियोगिता में रतलाम मंडल के कुल 7 पहलवानों ने भाग लिया, जिनमें से 3 पहलवानों ने पदक जीतकर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। प्रतियोगिता में श्री उत्तम राणा ने 130 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग में रजत पदक, श्री रोहित दहिया ने 82 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग में कांस्य पदक तथा श्री विजय मलिक ने 65 किलोग्राम फ्री-स्टाइल वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया।

पदक विजेता पहलवानों की इस उपलब्धि पर मंडल रेल प्रबंधक श्री अश्वनी कुमार ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान सचिव पश्चिम रेलवे खेदकूट संघ एवं वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) श्री पीयूष पाण्डेय वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्रीमती



हीना वी. केवलरामानी भी उपस्थित रहीं। इस सफलता में पश्चिम रेलवे के कुश्ती कोच श्री सत्यदेव मलिक तथा ओएसडी (स्पोर्ट्स) श्री पप्पू यादव का विशेष योगदान रहा, जिनके मार्गदर्शन एवं निरंतर सहयोग से खिलाड़ियों ने यह उपलब्धि हासिल की।



Whether it's because of the responsibilities that fell upon me as I grew up, or simply a part of my nature, or perhaps because I'm somewhat socially inclined, I've accumulated quite a stock of this lovely thing called 'Thank You'. It's been almost 30 years... I've even reached the age of forty-five. I must have about seven or eight cupboards filled with these 'Thank Yous'.

Four or five years ago, while chatting with friends, a well-wisher brought up the topic and said, "You've helped so many people for so many years, you've accumulated so many 'Thank Yous'... why are you holding onto them? Now it's time to return them, distribute them back. Empty those cupboards."

At the time, I didn't understand... how could I distribute 'Thank Yous'? But after a few days, I realized that I too should become a little selfish, a little self-serving, and start requesting others to carry out my tasks, and in return distribute the

'Thank Yous' to empty my cupboards.

I started trying, but the rate of returning 'Thank Yous' was very low. In the meantime, I learned that I should avoid accumulating 'Thank Yous' as much as possible. Why keep filling up so many cupboards unnecessarily?

Then, when I started doing things to return the 'Thank Yous', like asking for help from others I realized that instead of decreasing my 'Thank Yous', I started accumulating another lovely thing called 'Sorry' in various flavors, such as 'Sorry yaar', 'Sorry friend', 'Extremely sorry'. This means new cupboards are now needed for 'Sorry'.

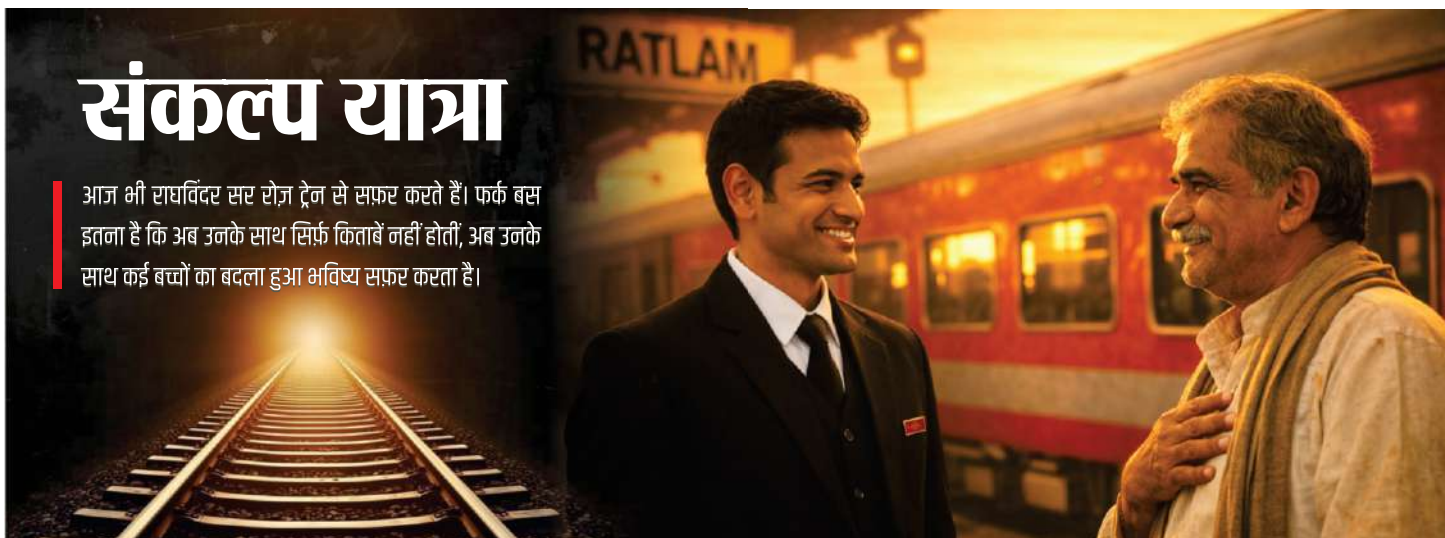
While managing the stock of 'Thank Yous', I've now realized that cupboards for 'Sorry' have also started filling up next to them, or rather, they're coexisting...

 **Mandar V Shetye**

Commercial Superintendent, Bandra Terminus

संकल्प यात्रा

आज भी राघविंदर सर रोज़ ट्रेन से सफ़र करते हैं। फर्क बस इतना है कि अब उनके साथ सिर्फ़ किताबें नहीं होतीं, अब उनके साथ कई बच्चों का बदला हुआ भविष्य सफ़र करता है।



रतलाम की सुबह बाकी शहरों जैसी ही थी—हल्की ठंड, चाय की भाप और स्टेशन पर आती-जाती भीड़। लेकिन इस भीड़ में रोज़ एक चेहरा ऐसा होता था, जो किसी को खास नहीं लगता, पर अपने भीतर एक पूरी दुनिया समेटे हुए था।

उस आदमी का नाम था राघविंदर सर। राघविंदर सर रतलाम में ही रहते थे। छोटा-सा किराए का कमरा, एक पुरानी अलमारी, कुछ किताबें और माँ की तस्वीर—बस यही उनकी दुनिया थी। वे एक शिक्षक थे, लेकिन सिर्फ़ नौकरी करने वाले नहीं। उनका मानना था कि शिक्षा अगर सही हाथों में पहुँचे, तो गरीबी भी हार मान लेती है, उन्होंने संकल्प लिया था कि वो अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों तक शिक्षा को पहुंचाएंगे।

रतलाम से करीब 70 किलोमीटर दूर मंदसौर, जहाँ झुगियों में रहने वाले बच्चे स्कूल का मतलब तक नहीं जानते थे। वहीं राघविंदर सर रोज़ पढ़ाने जाते थे।

हर सुबह साढ़े चार बजे उठना, माँ की तस्वीर के सामने सिर झुकाना और फिर स्टेशन की ओर चल पड़ना—यह उनकी दिनचर्या बन चुकी थी।

लोकल ट्रेन अक्सर ठसाठस भरी होती। मजदूर, किसान, सब्जी बेचने वाले—सब अपने-अपने संघर्ष के साथ सफ़र करते। उसी भीड़ में खड़े राघविंदर सर एक हाथ से रेलिंग पकड़ते और दूसरे हाथ में बच्चों के लिए बनाए नोट्स।

कभी-कभी थकान इतनी बढ़ जाती कि आँखें बंद हो जातीं, लेकिन जैसे ही ट्रेन की सीटी बजती, उन्हें लगता—“किसी बच्चे का भविष्य मुझे बुला रहा है।”

जिस स्कूल में वे पढ़ाते थे, वह नाम का स्कूल था। टूटी हुई दीवारें, फर्श पर बैठते बच्चे और एक पुराना ब्लैकबोर्ड। बारिश में छत टपकती, गर्मी में पंखा नहीं चलता। लेकिन जब राघविंदर सर कक्षा में कदम रखते, तो बच्चों के चेहरे खिल जाते।

“सर आ गए!” यह आवाज़ उनके लिए किसी इनाम से कम नहीं थी। वे बच्चों को सिर्फ़ अक्षर और अंक नहीं सिखाते थे। वे उन्हें आत्मविश्वास देना सिखाते थे।

“तुम गरीब हो, लेकिन कमजोर नहीं,” यह वाक्य वे रोज़ दोहराते। एक दिन एक बच्चे रोहित ने मासूमियत से पूछा,—“सर, आप रोज़ इतनी दूर से क्यों आते हो? आपको थकान नहीं होती?”

राघविंदर सर कुछ पल चुप रहे। फिर धीरे से बोले—“थकान तो होती है बेटा लेकिन अगर मैं नहीं आऊँगा, तो तुम्हारे सपनों तक पहुँचने वाला रास्ता बंद हो जाएगा।” यह

सुनकर रोहित चुप हो गया, लेकिन उस दिन से वह सबसे आगे बैठने लगा।

समय आसान नहीं था। कभी ट्रेन छूट जाती, कभी तनख्वाह दवाइयों में खत्म हो जाती। एक बार तेज़ बुखार में भी राघविंदर सर क्लास लेने पहुँच गए। बच्चे उन्हें कांपते देख डर गए।

“सर, आज मत पढ़ाइए—एक बच्ची बोली। राघविंदर सर मुस्कुराए और बोले—“अगर गुरु रुक गया, तो सपने भी रुक जाते हैं।”

धीरे-धीरे बदलाव दिखने लगा। बच्चे पढ़ने लगे, सवाल पूछने लगे, सपने देखने लगे। प्रीति, जो कभी कचरा बीनती थी, आज छात्रवृत्ति पर पढ़ रही थी। रोहित अच्छे स्कूल में दाखिला पा चुका था।

कई साल बीत गए। एक दिन रतलाम स्टेशन पर वही भीड़, वही ट्रेन। राघविंदर सर प्लेटफॉर्म पर खड़े थे कि पीछे से किसी ने आवाज़ दी—“राघविंदर सर!” वे मुड़े। सामने रोहित खड़ा था—साफ़ कपड़े, आँखों में आत्मविश्वास।

“सर पहचाना मुझे? मैं रोहित! मैं रेलवे में टीसी बन गया हूँ और मेरी पहली पोस्टिंग यहाँ रतलाम स्टेशन पर हो गई है।”

राघविंदर सर की आँखें भर आईं। उस पल उन्हें अपनी सारी थकान, सारी यात्राएँ सार्थक लगने लगीं। रोहित ने उन्हें गिफ्ट रैपर में लिपटा एक डिब्बा दिया। राघविंदर सर ने पूछा ये क्या है। रोहित बोला ये आपके लिए एक छोटा सा तोहफा है। सर ने खोला तो उसमें एक स्मार्ट फोन था जो उनके बेसिक फोन से अलग था। उन्होंने रोहित से कहा इसका मैं क्या करूँगा। रोहित ने जवाब दिया कि आप इसमें लेटेस्ट इनफॉर्मेशन पा सकेंगे और कुछ नहीं तो आप रेलवे का टिकट या पास इस मोबाइल से ले सकते हैं, अब लाइन में खड़े रहने की जरूरत नहीं है बस रेल वन ऐप डाउनलोड कर लीजिएगा। राघविंदर सर के मुँह से शब्द नहीं निकल पा रहे थे।

आज भी राघविंदर सर रोज़ ट्रेन से सफ़र करते हैं। फर्क बस इतना है कि अब उनके साथ सिर्फ़ किताबें नहीं होतीं, अब उनके साथ कई बच्चों का बदला हुआ भविष्य सफ़र करता है।

ट्रेन की हर सीटी आज भी कुछ कहती है—जब इरादे मजबूत हों, तो दूरियाँ भी शिक्षा के आगे हार मान लेती हैं।

वंदना हेमराज सोनावणे, स्वतंत्र लेखिका

रेल का सफ़र

स्टेशन की भीड़ में खड़ा मैं,
हाथ में छोटा-सा बैग,
आँखों में अनकहे सवाल,
दिल में यादों का राग।

सीटी की आवाज़ ने जैसे
नींद से शहर को जगाया,
लोहे की पटरियों ने
फिर एक सफ़र बुलाया।

डिब्बे के भीतर बैठा हूँ,
खिड़की मेरी साथी है,
बाहर भागती दुनिया
कितनी प्यारी, कितनी सादी है।

कभी खेत हरे-भरे दिखते,
कभी सूखी-सी धरती,
कहीं नदियाँ चुपचाप बहतीं,
कहीं पहाड़ियों की मस्ती।

एक स्टेशन पर चायवाला
मुस्कान लिए आता है,
“गरम चाय!” की आवाज़ में
पूरा भारत समाता है।

सामने बैठा अनजान चेहरा
कुछ देर में अपना बन जाता,
दो बातों में ही जीवन
कितना खुलकर दिख जाता।

कोई घर लौट रहा है,
कोई सपनों की ओर चला,
कोई पीछे छोड़ आया कुछ,
कोई आगे कुछ पाने चला।

रेल का सफ़र सिखाता है
रुकना भी, चलना भी,
छूट जाना, जुड़ जाना,
और फिर संभलना भी।

के. पद्मनाथन, वरिष्ठ परिवहन प्रबंधक (संचालन), चर्चगेट

खिड़की से दिखती शाम जब
धीरे-धीरे ढल जाती है,
दिल के कोनों में छुपी उदासी
बिना कहे छलक जाती है।

रात उतरती है डिब्बों में,
लाइटें झिलमिल करती हैं,
पहियों की लयबद्ध आवाज़ें
लोरी-सी भरती हैं।

नींद और यादों के बीच कहीं
जिंदगी ठहर-सी जाती है,
रेल का यह छोटा सफ़र
पूरी उम्र समझा जाता है।

जब मंजिल आती है सामने,
दिल थोड़ा भारी हो जाता है,
क्योंकि रेल का सफ़र
कुछ अपना छोड़ जाता है।

प्रकृति की सीख

वृक्ष से सीखो—सबको देना,
नदियों से सीखो—अपना मार्ग स्वयं बनाना।

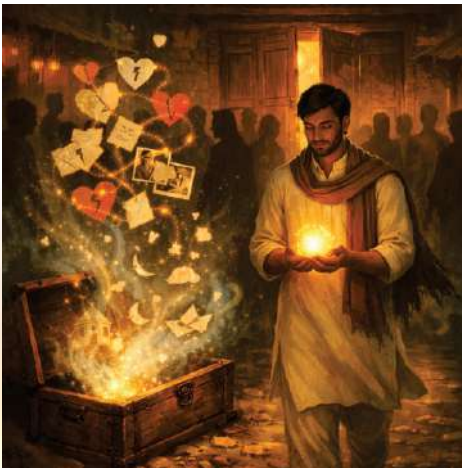
पृथ्वी से सीखो— धैर्य, सहनशीलता और
निःस्वार्थ सेवा,
पशु-पक्षियों से सीखो— निःस्वार्थ प्रेम और
अनुशासन।

पर्वत से सीखो— अटलता, स्थिरता और
धैर्य,
पत्थर से सीखो— मजबूती और
उपयोगिता।

सूरज से सीखो— निरंतर सेवा और
परोपकार,
चंद्रमा से सीखो— शांति और शीतलता।

पल्लवी सिंह (कक्षा - 7)

पिता का नाम - शम्भू सिंह
वरिष्ठ जनसंपर्क निरीक्षक, भावनगर



“थोड़ा प्यार लेकर आया हूँ”

नफ़रत के इस बाज़ार में,
थोड़ा प्यार लेकर आया हूँ।
बंद पड़े उन दरवाज़ों को
आज फिर से खोलने आया हूँ

अंधेरे कोने में मिली है
आज एक संदूक मुझे,
ढूँढा तो उसमें मिले
तुम्हारे ही पुराने ख़्वाब मुझे।

आते-जाते इन्हीं ख़्वाबों को
फिर से तुम्हें दिखाने आया हूँ,
नफ़रत के इस बाज़ार में
थोड़ा प्यार लेकर आया हूँ।

टूटे हुए दिल, रिश्ते,
और कुछ झूठे वादे
एक ज़ख्म-सा कर गए थे
सीने में तुम्हारे।

उन सभी को आज
फिर से जोड़ने आया हूँ,
नफ़रत के इस बाज़ार में
थोड़ा प्यार लेकर आया हूँ।

नंदकिशोर भिंगारदिवे

कमर्शियल सुपरिन्टेन्डेन्ट/सांताक्रुज



विश्वास की डोरी, प्रगति का मेल,
हर मंजिल की साथी - भारतीय रेल।
जीती-जागती जिंदगी का दर्पण तुम,
सर्दी, धूप, चाहे हो चक्रवात या आँधी,
सदैव करती हो, सर्वश्रेष्ठ अपना अर्पण तुम।

हर सुबह की पहली किरण संग चल पड़ती,
हर शाम थककर भी मुस्कुराकर न रुकती,
गाँव, शहर, बस्ती-बस्ती जोड़ने वाली,
हर दिल की अलग-अलग कहानियों को
यादों के रत्नों से जोड़ने वाली।

बेरंग जीवन में रंग भरती हो,
हर मुसाफ़िर की उम्मीद बन चलती हो।
टूटे सपनों को फिर से जोड़ती,
ख़्वाबों को मंजिलों की ओर ले दौड़ती हो।

हर पल गतिमान, भरोसेमंद साथी तुम,
भारत की नसों में बहती रंग-रंग की बाती तुम।
तुम न हो तो थम जाए जीवन का सिलसिला,
भारतीय रेल, तुझसे ही
देश की गौरवशालिता का सूरज
जग में सदैव झिलमिलाता रहा है।

सागर गायकवाड़, उप मुख्य टिकट निरीक्षक, राजकोट, पश्चिम रेलवे

“रेल की धड़कन” पॉडकास्ट ट्रेलर का शुभारंभ



पश्चिम रेलवे और रेडियो सिटी की साझेदारी में बने पश्चिम रेलवे के फ्रंटलाइन रेलकर्मियों की सच्ची कहानियों पर आधारित “रेल की धड़कन” पॉडकास्ट ट्रेलर का शुभारंभ करते हुए तथा इस अवसर पर रेडियो सिटी को इंटरव्यू देते हुए महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता।

निबंध, ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार



पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा आयोजित निबंध, ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेताओं रेलकर्मियों के बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि



पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार ने चर्चगेट स्थित प्रधान कार्यालय में महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

नवागत अधिकारी



श्री आशीष वर्मा
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक



पश्चिम रेलवे
Western Railway

CONNECT

WITH WESTERN RAILWAY



<https://x.com/WesternRly>



<https://www.facebook.com/WesternRly>



[@WESTERNRLY](https://www.instagram.com/westernrly)



<https://www.youtube.com/@WesternRly>



www.bit.ly/wronwhatsapp